CMYK

RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-10 अंक: 285 ता. 19 मई 2022, गुरूवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

बाढ़ और भूस्खलन से 26 जिलों के चार लाख से ज्यादा लोग प्रभावित, रेस्क्यू आपरेशन में जुटी भारतीय सेना

गुवाहाटी। पूरा उत्तर भारत जहां गर्मी की मार से परेशान है तो वहीं दूसरी तरफ नार्थ-ईस्ट के असम में मूसलाधार बारिश और बाढ़ से हाहाकार मचा हुआ है। असम के 26 जिलों में बाढ़ का असर बताया जा रहा है। इन जिलों के 4 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हैं।

सेना ने शुरू किया रेस्क्यू आपरेशन-राहत और बचाव कार्य के लिए भारतीय सेना के जवानों को उतारा गया है। कछार जिला बाढ़ से सबसे ज्यादा प्रभावित है। भारतीय सेना और असम राइफल्स के जवानों ने मंगलवार को कछार जिले के विभिन्न हिस्सों में राहत-बचाव अभियान शुरू कर दिया है। कछार जिले के उपायुक्त के तत्काल अनुरोध पर भारतीय सेना और असम राइफल्स की टीम बाढ़ में फंसे लोगों को बचाने में जुटी है। गुवाहाटी स्थित डिफेंस के पीआरओ ने कहा कि रेस्क्यू आपरेशन में महिलाओं, बुजुर्गों और छोटे बच्चों को प्राथमिकता दी गई। पीआरओ ने कहा, समय पर और त्वरित कार्रवाई से लोगों की जान बच गई और एक बड़ी आपदा टल गई। असम राइफल्स की श्रीकोना बटालियन और सेना के जवानों ने 500 ग्रामीणों को बचाया। देर शाम तक बचाव के प्रयास जारी थे और अधिकारियों और स्थानीय लोगों ने असम राइफल्स और सेना के काम की तारीफ की है।

कछार में सबसे ज्यादा लोग प्रभावित-असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की रिपोर्ट के अनुसार, अकेले कछार जिले में कुल 96,697 लोग प्रभावित हुए हैं जबकि होजई में 88,420, नगांव में 58,975, दरांग में 56,960, विश्वनाथ में 39,874 और उदलगुरी जिले में 22,526 लोग प्रभावित हुए हैं। नागांव में 67 राजस्व मंडलों के 1,089 गांव प्रभावित बताए जा रहे हैं। बाढ़ में कई हेक्टेयर भूमि भी डूब गई है।

वीजा भ्रष्टाचार केसः

पी चिदंबरम के बेटे कार्ति पर CBI ने कसा शिकंजा, करीबी सहयोगी को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। सीबीआई ने कल देर रात पूछताछ के बाद वीजा भ्रष्टाचार मामले में कांग्रेस नेता कार्ति पी चिदंबरम के करीबी सहयोगी एस भास्कर रमन को गिरफ्तार कर लिया। न्यूज एजेंसी एएनआई ने सीबीआई सूत्रों के हवाले से यह जानकारी दी है।

इससे पहले सीबीआई ने एक चीनी कंपनी को सीमा से ज्यादा वीजा जारी करने के लिए रिश्वत लेने के आरोप में कार्ति चिदंबरम सहित पांच लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया था। इस सिलसिले में छापेमारी और तलाशी जारी है। मंगलवार को दस जगहों पर तलाशी की गई। सीबीआई ने देश के पूर्व वित्त मंत्री पी. चिदंबरम के बेटे और कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम सहित पांच आरोपियों के कई ठिकानों पर मंगलवार को छापेमारी की थी। चिदंबरम के आवास पर भी तलाशी की गई थी।

सीबीआई ने कार्ति चिदंबरम पर कसा शिकंजा

सीबीआई ने चेन्नई, मुंबई स्थित निजी व्यक्तियों, मुंबई, मानसा (पंजाब) आदि में स्थित निजी कंपनियों एवं अज्ञात लोक सेवकों और निजी व्यक्तियों सहित पांच आरोपियों के विरुद्ध मामला दर्ज किया है। इन पर आरोप है कि एक परियोजना के लिए चीनी कर्मचारियों को वीजा दिलाने के लिए 50 लाख रुपये की घूस ली गई। मामले में जांच जारी है। मंगलवार को चेन्नई, मुंबई, कोप्पल (कर्नाटक), झारसुगुड़ा (ओडिशा), मानसा (पंजाब) एवं दिल्ली आदि सहित लगभग 10 स्थानों पर तलाशी की जा रही है।

ये हैं आरोप

अधिकारियों ने बताया कि इस मामले में सीबीआई ने आरोप लगाया है कि कार्ति चिदंबरम को यूपीए सरकार के

कार्यकाल के दौरान 1980 मेगावाट की तलवंडी साबो बिजली परियोजना के लिए जुलाई-अगस्त 2011 में चीन के 263 कर्मचारियों को वीजा दिलवाने के लिए 50 लाख रुपये की रिश्वत मिली थी। उस समय पी. चिदंबरम देश के वित्त मंत्री थे। साथ ही अधिकारियों ने बताया कि पंजाब के मानसा में बिजली परियोजना की स्थापना के लिए चीन की एक कंपनी के साथ अनुबंध किया गया था, लेकिन उसका काम तय समय से पीछे चल रहा था। परियोजना के लिए कामगारों की जरूरत थी, लेकिन सीमित संख्या में ही विदेशी नागरिकों को वर्क परमिट दिया जा सकता था। आरोप है कि कंपनी ने कार्ति से संपर्क किया, जिन्होंने अपने प्रभाव का फायदा उठाते हुए अधिकृत संख्या का उल्लंघन कर वीजा दिलवाया।

आईएनएक्स मीडिया केस की जांच में मिला सुराग

अधिकारी ने बताया कि कार्ति के खिलाफ यह जांच आईएनएक्स मीडिया मामले की जांच के दौरान कुछ संबंधित सुराग मिलने पर शुरू की गई। कार्ति आईएनएक्स मीडिया में विदेशी निवेश के लिए कथित तौर पर विदेशी निवेश संवर्धन बोर्ड (एफआईपीबी) की मंजूरी दिलाने के आरोप में आपराधिक मामलों का सामना भी कर रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि लेन-देन की जांच के दौरान सीबीआई को 50 लाख रुपये की संदिग्ध राशि का पता चला, जो कथित तौर पर एक संयंत्र में काम करने वाले चीन के श्रमिकों को वीजा दिलवाने के वास्ते ली गई थी।

कार्ति ने जताई नाराजगी

कार्ति ने विस्तृत जानकारी दिए बिना ट्वीट किया, अब तो मैं गिनती भी भूल गया हूं कि कितनी बार ऐसा हुआ है? शायद यह एक रिकॉर्ड होगा। बाद में उन्होंने ट्वीट किया कि उनके दफ्तर ने उन्हें सीबीआई छापों के बारे में अपडेट किया है। उन्होंने लिखा, मेरे कार्यालय ने बताया कि 2015 में दो बार, 2017 में एक बार, 2018 में दो बार और आज। यानी कुल छह बार सीबीआई उनके ठिकानों पर पहुंची।

पी. चिदंबरम ने छापेमारी के समय को बताया दिलचस्प

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी. चिदंबरम ने कहा कि सीबीआई ने आज उनके चेन्नई स्थित घर व दिल्ली स्थित आधिकारिक आवास पर छापेमारी की, लेकिन उन्हें कुछ भी नहीं मिला और कुछ भी जब्त नहीं किया गया। देश के पूर्व गृह मंत्री ने यह भी कहा कि हालांकि, मैं इस बात की ओर ध्यान जरूर दिलाना चाहूंगा कि छापेमारी का समय दिलचस्प है।

भगवंत मान के दिल्ली दौरे ने बढ़ाया सियासी पारा, इन बड़े पदों पर मंथन के आसार

चंडीगढ़। पंजाब में आम आदमी पार्टी के नए प्रदेश प्रमुख और राज्यसभा चुनाव के लिए दो उम्मीदवारों को लेकर कयासों का दौर जारी है। इसी बीच मुख्यमंत्री भगवंत मान का दिल्ली दौरा चर्चा का विषय बन गया है। खबर है कि मान ने दिल्ली पहुंचकर पार्टी के बड़े नेताओं से मुलाकात की है। कहा जा रहा है कि बैठक में पंजाब में आप के नए मुखिया के चुनाव से लेकर कैबिनेट विस्तार तक मंथन किया गया है। पंजाब और हरियाणा बास एसोसिएशन की बैठक के बाद सीएम मान, राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा के साथ दिल्ली के लिए निकल गए थे। इसके बाद करीब 9 बजे वे पंजाब लौटे। खास बात है कि राज्य में कैबिनेट की बैठक भी कुछ घंटों के लिए टल गई थी। सीएम मान का दौरा इसलिए भी चर्चा में है, क्योंकि कुछ दिन पहले ही राज्यसभा चुनाव के कार्यक्रम का ऐलान हुआ है।

इस दौरान 2 सदस्यों का चुनाव होना है। जुलाई में अंबिका सोनी (कांग्रेस) और बलविंदर सिंह भुंदर (शिअद) का कार्यकाल समाप्त हो रहा है। राज्यसभा चुनाव 10 जून को होने हैं, जिसमें नामांकन की अंतिम तारीख 31 मई है। माना जा रहा है कि 92 सीटों के साथ पंजाब पर शासन कर रही आप दोनों सीटें अपने नाम कर सकती है। सूत्रों के हवाले से लिखा कि मार्च में हुए चुनाव में राज्यसभा के लिए दिल्ली के दो नेताओं के चुनाव में पार्टी में असंतोष ने दस्तक दे दी थी। ऐसे में अब पार्टी सावधानी से फैसला लेने की तैयारी कर रही है। रिपोर्ट के अनुसार, पार्टी सूत्रों का कहना है कि नए प्रदेश प्रमुख नियुक्त करने को लेकर भी चर्चाएं हुई हैं। साल 2019 से राज्य में आप की कमान मान संभाल रहे थे, लेकिन सीएम बनने के बाद पार्टी नया चेहरा तलाश रही है। रिपोर्ट के अनुसार, नए चीफ को हरियाणा और हिमाचल प्रदेश में पार्टी के विस्तार में शामिल होना होगा। इसके अलावा अटकलें लगाई जा रही हैं कि मीटिंग में कैबिनेट विस्तार पर भी चर्चा की गई है। सीएम मान की तरफ से 10 मंत्रियों को शामिल किए जाने के बाद 7 पद खाली हैं।

स्टैंड-अप कॉमेडी करने वालों के लिए खुशखबरी, यूथ कांग्रेस लॉन्च करने जा रही टैलेंट हंट प्रोग्राम

नई दिल्ली। देश की सबसे पुरानी पार्टी की युवा शाखा भारतीय युवा कांग्रेस एक राष्ट्रीय स्तर का टैलेंट शो शुरू करने जा रही है। इसके जरिए उन कलाकारों को एक मंच प्रदान किया जाएगा जो जो स्टैंड-अप कॉमेडी, कविता, गायन और अन्य कलाओं के माध्यम से अपने विचारों को व्यक्त करना चाहते हैं। यह आयोजन 21 मई से एक निश्चित अवधि के लिए शुरू होने की उम्मीद है।

आईवाईसी के मीडिया प्रभारी राहुल राव ने कहा, हम इस टैलेंट शो की व्यवस्था उन लोगों को एक मंच प्रदान करने के लिए कर रहे हैं, जिनके पास गायन, कविता, कॉमेडी और अन्य रूपों में कौशल है और वे देश में बढ़ती महंगाई, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी जैसे विभिन्न मुद्दों पर खुद को व्यक्त करना चाहते हैं। उन्होंने कहा, अगर कोई मूल्य वृद्धि, बेरोजगारी, सांप्रदायिक तनाव और अन्य मुद्दों के बारे में अपनी कला के रूप में बोलना चाहता है तो वह व्यक्ति वीडियो बनाकर हमें भेज सकता है। 21 मई से एक

आईवाईसी के मीडिया प्रभारी राहुल राव ने कहा, हम इस टैलेंट शो की व्यवस्था उन लोगों को एक मंच प्रदान करने के लिए कर रहे हैं, जिनके पास गायन, कविता, कॉमेडी और अन्य रूपों में कौशल है और वे देश में बढ़ती महंगाई, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी जैसे विभिन्न मुद्दों पर खुद को व्यक्त करना चाहते हैं।

नंबर उपलब्ध कराया जाएगा।

कांग्रेस की 'भारत जोड़ो' पहल पर बोलते हुए राव ने कहा कि यह आयोजन भारत के नागरिकों को फिर से जोड़ने के पार्टी के मकसद के अनुरूप है। उन्होंने कहा, 'हर किसी को सुनने की जरूरत है जो उन्हें एकता की भावना दे। किसानों की चुनौतियों और बेरोजगारी से लेकर नफरत की राजनीति तक के मुद्दों को सुनने की जरूरत है और इस टैलेंट शो का उद्देश्य ऐसा करना है।'

आईवाईसी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीनिवास बीवी ने ट्वीट कर कहा, कला के विभिन्न रूपों के माध्यम से समाजों को एक साथ लाने के लिए भारत जोड़ो का एक प्रयास है। हम भारत के सबसे बड़े टैलेंट शो के साथ आ रहे हैं। जल्द ही इसकी अधिक जानकारी दी जाएगी।

राव ने आगे कांग्रेस में युवाओं की भागीदारी के बारे में बात की और कहा कि एक आंदोलन या एक राजनीतिक दल अपनी ताकत तब हासिल करता है जब युवा पीढ़ी खुद को उनके साथ जोड़ती है। उन्होंने कहा, जब इस देश में युवा एकजुटता की भावना के साथ बेरोजगारी के खिलाफ आवाज उठाते हैं तो वे जोश महसूस करते हैं। एक विपक्ष के रूप में हमारा कर्तव्य है कि हम लोगों के साथ खड़े हों और उन्हें एकता की भावना दें।

वैष्णो देवी यात्रा पर जाने से पहले जान लें जरूरी खबर, बैटरी कार सेवाएं ठप

श्रीनगर। त्रिकुटा पहाड़ियों में जंगल में आग लगने के कारण बुधवार सुबह श्राइन बोर्ड के अधिकारियों द्वारा एहतियात के तौर पर नए ट्रैक पर पथराव के मद्देनजर वैष्णो देवी यात्रा बैटरी कार सेवा को निलंबित कर दिया गया। हालांकि, पारंपरिक ट्रैक के माध्यम से तीर्थयात्रा सुचारू रूप से जारी है।

रविवार की देर शाम त्रिकुटा पर्वत के वन क्षेत्र में सांजी छत हेलीपैड के पास आग लग गई थी, जिसे देखते हुए श्राइन बोर्ड के अधिकारियों ने सोमवार को हेलीकॉप्टर सेवाओं को निलंबित करने का फैसला किया था। तीर्थयात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित

करने के लिए, त्रिकुटा पहाड़ियों में तेज हवाओं और कम दृश्यता के कारण सेवाओं को रोक दिया गया था।

इन निलंबित सेवाओं को बाद में मंगलवार को फिर से शुरू कर दिया गया। श्राइन बोर्ड के सीईओ अंशुल गर्ग के अनुसार, आग जम्मू के रियासी (जहां वैष्णो देवी मंदिर स्थित है) में त्रिकुटा वन रेंज में लगी और तीर्थयात्रा पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा, लेकिन जंगल के जंगल को नुकसान पहुंचा था।

राजस्थान से राज्यसभा जाएंगे गुलाम नबी आजाद

गहलोत-पायलट में आजाद के नाम पर बनी सहमति, जानिए कांग्रेस का 'प्लान'

जयपुर। राजस्थान में 4 राज्यसभा सीटों के लिए 10 जून को मतदान होना है। संख्या बल के हिसाब से 3 कांग्रेस के पास और एक सीट भाजपा के खाते में जाती दिखाई दे रही है। जयपुर से दिल्ली तक कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता राज्यसभा जाने के लिए दौड़ लगा रहे हैं। चर्चा है कि जी-23 के मुखिया और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गुलाम नबी आजाद के नाम पर शीर्ष स्तर पर सहमति बन गई है। कांग्रेस चिंतन शिविर में सोनिया गांधी ने सीएम गहलोत से चर्चा कर गुलाब नबी आजाद के नाम को हरी झंड़ी दे दी है। गहलोत

के धुर विरोधी सचिन पायलट को भी गुलाम नबी आजाद के नाम पर आपत्ति नहीं है।

कांग्रेस ने रणनीति में किया बदलाव-कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी को राजस्थान से राज्यसभा भेजने की चर्चा थी, लेकिन पार्टी ने अपनी रणनीति में बदलाव किया है। चर्चा है कि प्रियंका गांधी को कर्नाटक से राज्यसभा भेजा जाएगा। कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने हाल में ही प्रियंका गांधी को राज्यसभा का उम्मीदवार बनाने के संकेत भी दिए है। कर्नाटक के कांग्रेस नेताओं का कहना है कि इंदिरा गांधी और सोनिया गांधी ने कर्नाटक से चुनाव लड़कर सशक्त राजनीतिक मैसेज दिया था। जिसका फायदा पार्टी को मिला। इसलिए प्रियंका गांधी को कर्नाटक से ही राज्यसभा के लिए भेजा जाना चाहिए।

चिंतन शिविर में नामों पर हुआ मंथन-राजस्थान कांग्रेस कमेटी में अंदर खाने चर्चा है कि जी-23 के मुखिया और पार्टी के वरिष्ठ नेता गुलाम नबी आजाद का नाम राजस्थान से राज्यसभा जाने वालों में सबसे आगे है। पार्टी आलाकमान ने गुलाम नबी आजाद को संतुष्ट करने के लिए सीएम अशोक गहलोत को राजस्थान से राज्यसभा सदस्य भेजे जाने के लिए कहा है। पार्टी के अंदर खाने चर्चा है कि कांग्रेस के चिंतन शिविर के दौरान सोनिया गांधी ने गुलाम नबी आजाद से अलग से मुलाकात की थीं। दोनों नेताओं के बीच राज्यसभा चुनाव को लेकर मंत्रणा भी हुई। ऐसा माना जा रहा है कि गुलाब नबी आजाद राजस्थान से राज्यसभा जा सकते हैं। उल्लेखनीय है कि गुलाब नबी आजाद राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष भी रह चुके हैं।

मानसून के इंतजार में फिर तपने को तैयार देश, इन राज्यों में भीषण गर्मी के आसार

नई दिल्ली। मानसून की दस्तक की खबरों के बीच देश में एक बार फिर भीषण गर्मी की संभावना है। भारतीय मौसम विभाग के अनुसार, 19 मई से उत्तर पश्चिम और मध्य भारत में लू का नया दौर शुरू हो रहा है। वहीं, खबर है कि दक्षिण पश्चिम मानसून दक्षिण बंगाल की खाड़ी, अंडमान सागर और अंडमान द्वीप समूह और बंगाल की खाड़ी के मध्य पूर्व के कुछ हिस्सों में अगले दो दिनों के दौरान आगे बढ़ सकता है। इधर, तेज बारिश से जूझ रहे केरल को तीन दिन और राहत मिलने के आसार नहीं है।

पश्चिमोत्तर क्षेत्र में गर्मी तथा लू से राहत का अनुमान नहीं है, लेकिन 19 मई से पश्चिमी वक्षोभ के प्रभाव के चलते कहीं-कहीं अंधड़ गर्जन के साथ हल्की बारिश या बूंदाबांदी के आसार हैं। मौसम केन्द्र के अनुसार क्षेत्र में अगले 24 घंटे गर्मी से राहत के आसार नहीं हैं। उसके बाद 20 से 21 मई के बीच क्षेत्र में तेज हवा, गरज-चमक,अंधड़ के साथ हल्की बारिश के आसार हैं।

फिर तपेगी दिल्ली

दिल्लीवासियों को फिलहाल गर्मी से राहत मिलने के आसार नजर नहीं आ रहे हैं और जहां एक ओर दक्षिण पश्चिम मानसून के करीब एक माह बाद 25 से 30 जून के बीच राष्ट्रीय राजधानी में दस्तक देने का अनुमान है, वहीं 19 मई से लू का प्रकोप तेज होने के आसार जताए जा रहे हैं। मौसम विभाग ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

विभाग के अनुसार, दक्षिण पश्चिम मानसून के बंगाल की खाड़ी के और अधिक हिस्सों की ओर आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल हैं। यह अगले दो दिन में पूरे अंडमान सागर एवं

अंडमान द्वीप समूह और पूर्व मध्य बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों में पहुंच जाएगा। मौसम विभाग की बुलेटिन में कहा गया है, निचले क्षोभमंडल स्तरों में बंगाल की खाड़ी से अंडमान सागर तक भूमध्यरेखा के दोनों ओर शक्तिशाली प्रवाह के कारण अगले पांच दिन के दौरान अंडमान- निकोबार द्वीप समूह में भारी बारिश का अनुमान है। विभाग ने बताया कि अगले तीन दिन के दौरान अंडमान सागर, दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी और इससे सटे मध्य बंगाल की खाड़ी में हवा की गति 40-50 किमी प्रति घंटे से 60 किमी प्रति घंटे तक पहुंचने का अनुमान है। अगले तीन दिन तक केरल, तटीय और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, असम, मेघालय और अरुणाचल प्रदेश में भारी से बहुत भारी वर्षा की भविष्यवाणी की गई है।

मौसम विभाग ने बताया कि एक ताजा पश्चिमी विक्षोभ 19 मई से पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र को प्रभावित करेगा। उसने कहा, जम्मू-कश्मीर में 19-21 मई के दौरान और हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में 20 और 21 मई को अलग-अलग स्थानों पर गरज / चमक / आंधी और ओलावृष्टि के साथ काफी हल्की से मध्यम बारिश होने का अनुमान है। विभाग ने बताया कि 19 मई से उत्तर पश्चिम और मध्य भारत में गर्म हवाओं और लू का प्रकोप बढ़ने के आसार हैं।

कहां हैं लू के आसार-मौसम विभाग के अनुसार, दक्षिण पश्चिम उत्तर प्रदेश में 18-19 मई, पश्चिम राजस्थान में हीटवेव की स्थिति तैयार हो सकती है।

IMD ने बुधवार के लिए केरल के 7 जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इनमें त्रिशूर, पलक्कड़, मलप्पुरम, कोझिकोड, वायनाड , कन्नूर और कसारगोड का नाम शामिल है। केरल में पिछले कुछ दिनों से भारी बारिश हो रही है जिसने कुछ स्थानों पर सामान्य जनजीवन प्रभावित किया है।

इस माह के आखिर तक दक्षिणपश्चिम मानसून के शुरू होने के मद्देनजर भारी वर्षा पर विचार करते हुए राज्य सरकार ने जिलाधिकारियों को बैठक बुलाई थी और किसी भी आकस्मिक स्थिति से निपटने के निर्देश दिए थे।

सार समाचार

ममता बनर्जी ने रसोई गैस और ईंधन की बढ़ती कीमतों को लेकर केंद्र सरकार की आलोचना की

मेदिनीपुर (पश्चिम बंगाल)। रसोई गैस और ईंधन की बढ़ती कीमतों को लेकर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को भाजपा नीत केंद्र सरकार पर आम आदमी को 'लूटने' का आरोप लगाया।

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख ने केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार पर कीमतों में वृद्धि जैसे मुद्दों से लोगों का ध्यान हटाने के लिए सांप्रदायिक तनाव फैलाने की कोशिश करने का भी आरोप लगाया। यहां मेदिनीपुर कॉलेज मैदान में टीएमसी के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ममता ने आरोप लगाया, 'केंद्र सरकार रसोई गैस, पेट्रोल और डीजल की कीमतों में इजाफा करके आम आदमी को लूट रही है। आम आदमी का ध्यान भटकाने के लिए नरेंद्र मोदी सरकार सांप्रदायिक तनाव पैदा कर रही है।' मुख्यमंत्री राज्य के पश्चिमी हिस्से में स्थित जिले के दौरे पर हैं।

सांसद नवनीत राणा और उनके पति को नौ जून तक गिरफ्तार नहीं किया जाएगा: मुंबई पुलिस

मुंबई। मुंबई पुलिस ने बुधवार को यहां एक विशेष अदालत को बताया कि वह निर्दलीय सांसद नवनीत राणा और उनके विधायक पति रवि राणा को नौ जून तक गिरफ्तार नहीं करेगी। 'हनुमान चालीसा' का पाठ करने से जुड़े विवाद के एक मामले में राणा दंपति की जमानत रद्द करने का अनुरोध करते हुए पुलिस की ओर से दायर याचिका पर अगली सुनवाई की तारीख नौ जून है। राणा दंपति ने कहा था कि वे महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के निजी आवास 'मातोश्री' के बाहर हनुमान चालीसा का पाठ करेंगे, जिसके बाद मुंबई पुलिस ने 23 अप्रैल को नवनीत और रवि राणा को गिरफ्तार कर लिया था। विशेष न्यायाधीश आर. एन. रोकड़े ने पांच मई को कुछ शर्तों के साथ उन्हें जमानत दे दी थी। न्यायाधीश ने यह भी कहा था कि अगर दंपति ने इस तरह का अपराध दोबारा किया तो जमानत रद्द कर दी जाएगी। मुंबई पुलिस ने नौ मई को विशेष अदालत का रुख कर कहा था कि दंपति की जमानत रद्द कर देनी चाहिए क्योंकि उन्होंने जमानत की शर्तों का कथित तौर पर उल्लंघन किया है।

उत्तर प्रदेश में अब किसी नये मदरसे को नहीं मिलेगा सरकारी अनुदान

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में अब किसी भी नये मदरसे को सरकारी अनुदान नहीं दिया जाएगा। राज्य मंत्रिमंडल ने यह फैसला किया है। प्रदेश के अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री दानिश आजाद अंसारी ने बुधवार को ताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई प्रदेश मंत्रिमंडल की बैठक में फैसला किया गया है। उन्होंने बताया कि अब प्रदेश के किसी भी अन्य मदरसे को अनुदान सूची में शामिल नहीं किया जाएगा, लेकिन जिन मदरसों को वर्तमान में सरकारी अनुदान प्राप्त हो रहा है उन्हें यह मिलता रहेगा। अंसारी ने इस फैसले के कारण के बारे में पूछे जाने पर बताया कि प्रदेश में इस वक्त 560 मदरसों को सरकारी अनुदान प्राप्त हो रहा है। यह एक बड़ा ढांचा है। पहले उसे बेहतर बनाने की जरूरत है। सरकार का ध्यान मदरसों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने पर है, इसीलिए अब इस सूची में किसी नये मदरसे को शामिल नहीं किया जाएगा। इस सवाल पर कि क्या भविष्य में इस रोक को हटाया भी जा सकता है, अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री ने कहा, 'अभी तो यही है, बाद की बाद में देखी जाएगी।'

पिछले 24 घंटे में कोरोना के 1,829 नए मामले सामने आए

नई दिल्ली । देश में पिछले 24 घंटे के अंदर कोरोना के 1,829 नए मामले सामने आए हैं, जिसमें 33 लोगों की मौत दर्ज की गई। कोरोना के नए केस एक दिन पहले मिले केसों से 16.5 फीसदी ज्यादा है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, देश में अब सक्रिय कोरोना केसों की संख्या 15,647 हो गई है। डेली पॉजिटिविटी रेट 0.42 प्रतिशत है। एक दिन पहले मंगलवार को देश में कोरोना के 1569 मरीज मिले थे और 19 संक्रमितों की मौत हुई थी। बुधवार को स्वास्थ्य मंत्रालय ने 1,829 नए केस और 33 मौतों की जानकारी दी। पिछले 24 घंटों के अंदर देश में 2,549 लोग कोरोना से ठीक हुए हैं। अब तक कुल 42,587,259 लोग इस बीमारी से निजात पा चुके हैं। रिकवरी रेट 98.75 प्रतिशत है। देश में सबसे ज्यादा केस अब भी दिल्ली में मिल रहे हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय की वेबसाइट के मुताबिक, पिछले 24 घंटे के दौरान दिल्ली में सबसे अधिक 318 नए मरीज मिले। उसके बाद हरियाणा में 157 केस दर्ज किए गए। बाकी राज्यों में नए केसों का आंकड़ा 100 के नीचे ही रहा। पिछले 24 घंटे में सबसे ज्यादा दिल्ली में ही 709 लोगों ने कोरोना को मात दी। पिछले 24 घंटों में दिल्ली में 2 मौतें दर्ज की गई। बाकी 31 मौतें केरल की हैं, जो पिछले दिनों हुई, लेकिन रिकॉर्ड में अब चढ़ाई गई हैं। देश में अब तक कोरोना से कुल 5,24,293 लोगों की मौत हो चुकी है। कोविड-19 से मृत्यु दर 1.22 फीसदी है। देश में पिछले एक दिन में 4,34,962 लोगों का कोरोना टेस्ट किया गया। एक दिन के अंदर 14,97,695 लोगों को कोरोना के टीके लगाए गए। अब तक 1,91,65,00,770 डोज दी जा चुकी हैं।

महिलाओं से मारपीट करने वालों पर भड़की एनसीपी सांसद सुले, कहा एक हाथ तोड़ कर दूसरे हाथ में दे दूंगी

मुंबई । लगातार महिलाओं के प्रति घरेलू हिंसा बढ़ रही हैं। वैवाहिक बलात्कार का मामला भी चर्चा में है। इसी बीच में महिलाओं से मारपीट करने वालों के प्रित एनसीपी सांसद सुप्रिया सुले ने नाराजगी जताई है। उन्होंने अपने ताजा बयान में महिलाओं से मारपीट करने वालों के प्रति नाराजगी दिखाते हुए कहा एक हाथ तोड़ कर दूसरे हाथ में दे दूंगी अगर किसी औरत से मारपीट की। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) सांसद सुप्रिया सुले ने कहा कि वह महाराष्ट्र में किसी भी महिला पर हमला करने के लिए हाथ उठाने वाले पुरुष का हाथ तोड़ देंगी। सुले बारामती से सांसद हैं। उन्होंने पुणे में भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा उनकी पार्टी की एक महिला कार्यकर्ता पर कथित रूप से हमला किए जाने के एक दिन बाद जलगांव में यह बात कही। यह कथित घटना सोमवार को हुई, जब राकांपा कार्यकर्ताओं ने केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी के पुणे दौरे के दौरान एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में वृद्धि पर एक ज्ञापन देने की कोशिश की।

चिंतन शिविर के बाद कांग्रेस की चिंता और बढ़ने वाली है, 6 जुलाई बनेगा शर्मनाक दिन, 1935 के बाद ऐसा होगा पहली बार

नयी दिल्ली। (एजेंसी)

चिंतन मनन के मामले में भारत काफी आगे रहा है। चिंतन से एक से बढ़कर एक आध्यात्मिक-सामाजिक सिद्धांत सामने आए हैं। किसी समस्या या दुविधा से निकलने का रास्ता भी चिंतन प्रदान करता है। भारत की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी यानी कांग्रेस ऐसा ही चिंतन के लिए एक शिविर का ओजन राजस्थान के उदयपुर में किया। हाल के विधानसभा चुनावों में पार्टी उन सभी पांच राज्यों में हार गई, जहां चुनाव हुए थे और पंजाब में अपनी सत्ता आम आदमी पार्टी के हाथों गंवा बैठी है। ऐसे में सोनिया गांधी की तरफ से पार्ची कार्यकताओं से कर्ज चुकाने की बात कही जा रही है। लेकिन वर्तमान दौर के चुनाव परिणामों को देखें तो लगता है कि आजादी की लड़ाई में कांग्रेस की भूमिका को लेकर देश ने अब उसका कर्ज चुका दिया है और इससे काफी आगे बढ़ चुकी है। आजादी के दौर से लेकर लंबे वक्त तक देश का सबसे बड़ा सूबा उत्तर प्रदेश ग्रैंड ओल्ड पार्टी का गढ़ रही है। लेकिन वर्तमान दौर में वहीं कांग्रेस अपना अस्तित्व बचाने के लिए संघर्षत है। हाल ही में सपन्न हुए विधानसभा चुनाव में पार्टी एक-एक सीट के लिए तरसती दिखी और 2 सीटों पर सफलता पाने में कामयाब हो पाई। कांग्रेस की मुफलिसी का आलम ये है कि अब विधान परिषद में कांग्रेस शून्य पर पहुंचने वाली है।

साल 1935 यानी 87 सालों के बाद पहली बार ऐसा होगा, जब यूपी विधान परिषद में कांग्रेस का कोई सदस्य नहीं होगा। वर्तमान दौर में कांग्रेस के एकमात्र सदस्य दीपक सिंह हैं जो 6 जुलाई को रिटायर हो रहे हैं। उसके बाद कांग्रेस का कोई सदस्य नहीं रह जाएगा। दीपक सिंह जून 2016 में विधानपरिषद के लिए चुने गए थे। विगत 33 वर्षों में कांग्रेस विधानसभा में सिकुड़ती गई। इस बार हुए विधानसभा चुनाव में तो सदस्य संख्या के लिहाज से अपने सबसे निम्नतम स्थिति में पहुंच गई। उसके मात्र दो विधायक जीते और 2.5 फीसदी से भी कम मत मिले। इसका असर विधान परिषद में उसकी सदस्य संख्या पर पड़ना लाजिमी था।

वर्तमान में विधान परिषद में कांग्रेस के एकमात्र सदस्य दीपक सिंह बचे हैं और उनका कार्यकाल 6 जुलाई 2022 को समाप्त हो रहा है। मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए निकट भविष्य में कांग्रेस के उच्च सदन में प्रतिनिधित्व की उम्मीद भी किसी को दूर-दूर तक नजर नहीं आ रही है। सिंह जून 2016 में यूपी विधान परिषद के लिए चुने गए थे और उनका कार्यकाल समाप्त होने के साथ, उच्च सदन में कांग्रेस का अस्तित्व समाप्त हो जाएगा। कांग्रेस की राज्य की राजनीति में एक लोकप्रिय चेहरा, दीपक 1990 के दशक की शुरूआत में अपने कॉलेज के दिनों से ही पार्टी के कार्यकर्ता रहे हैं। 1935 के भारत सरकार अधिनियम द्वारा संयुक्त प्रांत ब्रिटिश भारत की परिषद 60 सदस्यों के साथ अस्तित्व में आई। इसे बाद में 1950 में यूपी विधान परिषद में बदल दिया गया। कांग्रेस 1935 से राज्य के उच्च सदन का हिस्सा थी।

कर्नाटक में हिंदू संगठन श्री राम सेना तैयार करवा रही अवैध चर्च और मस्जिदों की लिस्ट

अनुमान के मुताबिक करीब 500 अवैध चर्च

बेंगलुरु (एजेंसी)

कर्नाटक में इन दिनों हिंदू संगठन श्री राम सेना खूब चर्चा में बना हुआ है। इसी कड़ी में श्री राम सेना ने ऐलान किया है, कि उनका संगठन कथित तौर पर दक्षिणी राज्य में अवैध चर्च और मस्जिदों की लिस्ट तैयार कर रहा है। श्री राम सेना संगठन के प्रमुख प्रमोद मुतालिक ने कहा कि हमारे सभी कार्यकर्ता अवैध चर्चों की पहचान करते हुए एक सूची तैयार कर रहे हैं। कुछ घरों को केवल एक क्रॉस लगाकर उस चर्च में बदल देते हैं और फिर उसका इस्तेमाल धार्मिक कार्यों में करते हैं। श्री राम सेना प्रमुख मुतालिक के अनुमान के अनुसार, राज्य में इसतरह के 500 से अधिक चर्च हैं। रिपोर्ट के मुताबिक वहीं एक और दक्षिणपंथी संगठन नरेंद्र मोदी विचार मंच ने कर्नाटक में मौजूद मस्जिदों के सर्वे करने की मांग की है। क्योंकि वहां इस बात को लेकर स्पष्ट हैं कि मस्जिदों में हिंदू स्मारक मौजूद हैं।

संगठन का कहना है कि जब कर्लबुरागी में सड़क का काम किया जा रहा था, तब उन्हें हिंदू स्मारक और मूर्तियां मिली थीं। सभी प्राचीन मस्जिदें जहां नमाज अदा की जाती है, वह 400 से 500 साल हिंदू मंदिरों को तोड़कर बनाई गई थी।संगठन ने पहले राज्य सरकार से मांड्या जिले के श्रीरंगपटना में मस्जिद-ए-अला का सर्वेक्षण कराने की मांग की थी। संगठन का मानना है कि यह एक हनुमान मंदिर था।

रिपोर्ट के मुताबिक इस दौरान कर्नाटक भाजपा के विधायक, अरविंद बेलाड और सांसद रेणुकाचार्य ने राज्य में सभी मस्जिदों का सर्वे कराने की मांग की थी। वहीं हिंदू संगठनों के इस नए अभियान में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेतृत्व के एक वर्ग से भी समर्थन मिला है। पूर्व मंत्री और बीजेपी के वरिष्ठ नेता केएस ईश्वरप्पा ने कहा कि हमने अयोध्या ले ली है, अब काशी और मथुरा को लेना हैं। बता दें कि ईश्वरप्पा ने पहले उन सभी 36,000 मंदिरों को पुनः प्राप्त करने की बात की थी, जिन्हें मुगलों ने कानूनी रूप से नष्ट कर दिया था। ईश्वरप्पा ने कहा कि हमें नवनिर्मित मस्जिदों से कोई समस्या नहीं है। लेकिन जो हिंदू मंदिरों को तोड़कर बनाए गए हैं, हम उन्हें नहीं छोड़ने वाले हैं। अब, हिंदू समुदाय के पास मंदिरों को फिर से हासिल करने की ताकत है।

वहीं चर्चों की लिस्ट तैयार करने के मामले पर बैंगलोर के ईसाई धर्म के मुख्य धर्माध्यक्ष (आर्कबिशप), पीटर मचाडो ने कहा कि सरकार ने ऐसा कोई निर्देश नहीं दिया था, दक्षिणपंथी समूहों की कार्रवाई उकसाने के अलावा और कुछ नहीं है। उन्होंने कहा कि हम बार-बार यह कहते रहे हैं कि यह उनका (दक्षिणपंथी समूहों का) काम नहीं है, (इस तरह के सर्वेक्षण करना)। सरकार ने अब तक हमें परेशान नहीं किया है।

कांग्रेस का आरोप, मोदी सरकार ने ऐसे हालात पैदा किए कि राजीव गांधी का हत्यारा हो गया रिहा

नई दिल्ली (एजेंसी)

कांग्रेस ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की हत्या के मामले में दोषी एजी पेरारिवलन को रिहा करने के उच्चतम न्यायालय के आदेश को 'दुर्भाग्यपूर्ण' करार देते हुए बुधवार को आरोप लगाया कि नरेंद्र मोदी सरकार ने ऐसे हालात पैदा किए कि अदालत को यह निर्णय देना पड़ा। पार्टी के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि आतंकवाद को लेकर सरकार का यह रवैया निंदनीय है। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, 'उच्चतम न्यायालय का फैसला दुर्भाग्यपूर्ण है। इससे करोड़ों भारतीय नागरिकों की भावना आहत हुई है, क्योंकि न्यायालय ने राजीव गांधी जी के एक हत्यारे को रिहा कर दिया है। तथ्य बड़े स्पष्ट हैं और जिम्मेदार मोदी सरकार है।' उनके अनुसार, 'नौ सितंबर, 2018 को तमिलनाडु की तत्कालीन अन्नाद्रमुक-भाजपा सरकार ने उस समय के राज्यपाल बनवारीलाल पुरोहित को सिफारिश भेजी कि राजीव गांधी जी की हत्या के सभी सात दोषियों को रिहा कर दिया जाए। राज्यपाल ने कोई निर्णय नहीं लिया। उन्होंने अपना पल्ला झाड़ते हुए मामला राष्ट्रपति को भेज दिया। राष्ट्रपति ने भी ने कोई निर्णय नहीं लिया।' सुरजेवाला ने दावा किया कि इस विलंब और भाजपा सरकार द्वारा नियुक्त राज्यपाल द्वारा निर्णय नहीं लिए जाने के कारण एक हत्यारे को रिहा कर दिया। अब सभी दोषी रिहा हो जाएंगे। उन्होंने सवाल किया, 'मोदी जी, क्या आपका यही राष्ट्रवाद है? क्या आपका तौर-तरीका है कि कोई निर्णय ही नहीं लो और उस आधार पर अदालत राजीव गांधी जी के हत्यारे को रिहा कर दे?' कांग्रेस नेता ने कहा, 'जिस आधार पर निर्णय हुआ है उस आधार पर तो हजारों तमिल कैदियों को छोड़ दिया जाना चाहिए और देश में आजीवन कारावास के लाखों कैदी हैं, उनको भी छोड़ दिया जाना चाहिए।'

5जी से बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा होंगे : दूरसंचार सचिव

नयी दिल्ली। (एजेंसी)

दूरसंचार सचिव के राजारमन ने बुधवार को कहा कि 5जी सेवाओं की शुरूआत से नई प्रौद्योगिकियों के लिए उपयुक्त कौशल की जरूरत होगी, जिससे बड़े स्तर पर रोजगार के अवसर पैदा होंगे। राजारमन ने दूरसंचार क्षेत्र कौशल परिषद (टीएसएससी) के एक कार्यक्रम में कहा कि भारतनेट से लेकर अंतरिक्ष दूरसंचार और 5जी से लेकर ब्रॉडबैंड सेवाओं में बड़े पैमाने पर रोजगार पैदा होगा। उन्होंने उद्योग को इन उभरते अवसरों का लाभ उठाने के लिए प्रतिभाशाली लोगों की 'पाइपलाइन' बनाने पर ध्यान देने का आह्वान भी किया।

सचिव ने कहा, 'उपयोग के मामलों या तरीकों में बढ़ोतरी के साथ 5जी सेवाओं में वृद्धि होगी तथा प्रौद्योगिकी की प्रकृति और क्षमता की पेशकश के चलते कौशल की एक नयी श्रृंखला भी खुलेगी।' सचिव ने कहा, 'उपयोग के मामलों या तरीकों में बढ़ोतरी के साथ 5जी सेवाओं में वृद्धि होगी तथा प्रौद्योगिकी की प्रकृति और क्षमता की पेशकश के चलते कौशल की एक नयी श्रृंखला भी खुलेगी।' दूरसंचार विभाग के शीर्ष अधिकारी ने 5जी की शुरूआत से ऑगमेंटेड रियलिटी, वर्चुअल रियलिटी और इंटरनेट से संबंधित क्षेत्रों में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि फिक्स्ड वायरलाइन ब्रॉडबैंड के भी तेजी से बढ़ने की काफी गुंजाइश है। अभी इस क्षेत्र में पहुंच का दायरा काफी सीमित है। यह क्षेत्र भी दो अंकीय वृद्धि हासिल कर सकता है।

2019 में दुनिया भर में प्रदूषण से हुई 90 लाख लोगों की मौत

चीन में 24 लाख मौतें, भारत में 22 लाख जानें गई

नई दिल्ली (एजेंसी)

दुनिया भर में प्रदूषण को लेकर हैरान कर देने वाले आंकड़े सामने आए हैं। साल 2019 में पूरी दुनिया में अलग-अलग प्रदूषण से 90 लाख लोगों की मौत हुई है। साल 2000 के बाद से अब तक इन आंकड़ों में 55 फीसदी का इजाफा देखा गया है। सबसे ज्यादा 24 लाख मौतें चीन में हुई है। दूसरे नंबर पर भारत है, यहां 22 लाख लोगों की जान गई जबकि इस लिस्ट में अमेरिका सातवें नंबर पर है। प्रदूषण और स्वास्थ्य को लेकर ये आंकड़े हेल्थ पात्रिका ने जारी किए हैं।

ग्लोबल हेल्थ पर प्रदूषण का प्रभाव युद्ध, आतंकवाद, मलेरिया, एचआईवी, ट्यूबरक्लोसिस, ड्रग्स और शराब की तुलना में बहुत अधिक है। सामान्य तौर पर, समीक्षा में पाया गया कि वायु प्रदूषण के चलते 6.7 मिलियन लोगों की मौत हुई। एक्सपर्ट्स का कहना है, कि इसके लिए जलवायु परिवर्तन जिम्मेदार है। रिपोर्ट के अनुसार वैश्विक स्तर पर सिर्फ वायु प्रदूषण से 66.7 लाख लोगों की मौत हुई। 17 लाख लोगों की जान खतरनाक केमिकल के इस्तेमाल से गई। साल 2019 में भारत में 16.7 लाख लोगों की मौत केवल वायु प्रदूषण से हुई। यानी हिसाब लगाया जाए तब उस साल देश में सभी मौतों का ये 17.8 प्रतिशत हिस्सा है।

भारत में वायु प्रदूषण से संबंधित 16.7 लाख मौतों में से अधिकांश- 9.8 लाख-पीएम 2.5 प्रदूषण के कारण हुईं। अन्य 6.1 लाख घरेलू वायु प्रदूषण के कारण हुईं हालांकि अत्यधिक गरीबी (जैसे इनडोर वायु प्रदूषण और जल प्रदूषण) से जुड़े प्रदूषण स्रोतों से होने वाली मौतों की संख्या में कमी आई है, लेकिन इन कटौती की भरपाई औद्योगिक प्रदूषण (जैसे परिवेशी वायु प्रदूषण और रासायनिक प्रदूषण) के कारण हुई मौतों में हुई है। वहीं संयुक्त राज्य अमेरिका में कुल प्रदूषण से होने वाली मौतों के लिए टॉप 10 देशों में एकमात्र पूरी तरह से औद्योगिक देश है। यहां साल 2019 में प्रदूषण से 1,42,883 लोगों की मौत हुई। अमेरिका 7वें स्थान पर है। रिपोर्ट के मुताबिक प्रदूषण से होने वाली 90 प्रतिशत से अधिक मौतें निम्न-आय और मध्यम-आय वाले देशों में होती हैं।

बाढ़, भूस्खलनों के कारण पूर्वोत्तर भारत में तबाही, असम में चार लाख लोग प्रभावित

गुवाहाटी/ईटानगर/अगरतला। (एजेंसी)

असम के और इलाकों में बाढ़ का पानी आने के कारण राज्य में प्रभावित लोगों की संख्या बढ़कर चार लाख हो गई है तथा वर्षाजनित हादसों में तीन और लोगों की मौत हो जाने के बाद कुल मृतक संख्या बढ़कर आठ हो गई है। एक सरकारी बुलेटिन में यह जानकारी दी गई। भारी बारिश और भूस्खलन के कारण असम की बराक घाटी और दीमा हसाओ जिले समेत पड़ोसी राज्यों त्रिपुरा, मिजोरम और मणिपुर के कुछ हिस्सों से सड़क और रेल संपर्क मंगलवार को टूटा रहा।

असम और मेघालय में कई जगह सड़क और रेल पटरी बह गई है। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) के बुलेटिन में बताया गया कि सोमवार तक बाढ़ से 20 जिलों के 1,97,248 लोग प्रभावित हुए थे और अब यह संख्या बढ़ गई है। बाढ़ से 26 जिलों के 4,03,352 प्रभावित हुए हैं। इसके अलावा मृतक संख्या भी बढ़कर आठ हो गई है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने असम को केंद्र सरकार की ओर से हर संभव मदद दिए जाने का आश्वासन दिया है। असम के दीमा हसाओ जिले में कई जगह भूस्खलन से सड़क और रेल संपर्क बाधित हो गया। मेघालय के पूर्वी जयंतिया हिल्स जिले में भूस्खलन ने दक्षिणी असम की बराक घाटी और तीन उत्तर पूर्वी राज्यों के महत्वपूर्ण हिस्सों तक सड़क संपर्क बाधित कर दिया।

पूर्वी जयंतिया हिल्स पुलिस ने अपने अधिकार क्षेत्र में ताजा भूस्खलन के बारे में सतर्क किया है। असम पुलिस के विशेष महानिदेशक जी पी सिंह ने जनता से जाम हटने तक सड़क मार्ग का उपयोग करने से बचने को कहा है। सिंह ने ट्वीट किया, 'कृपया जब तक कि सड़क जाम को दूर नहीं कर दिया जाता, तब तक सिलचर से गुवाहाटी की ओर जाने से बचें।' एक आधिकारिक बुलेटिन में कहा गया है कि भारी बारिश के कारण रविवार से दीमा हसाओ में संचार चैनल बंद कर दिए गए हैं। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के एक प्रवक्ता ने कहा कि लुमडिंग-बदरपुर खंड में पटरियों पर भूस्खलन और जलभराव के कारण बराक घाटी, मणिपुर, त्रिपुरा और मिजोरम के लिए रेल संपर्क टूट गया है। उन्होंने कहा कि रेलवे लाइन को बहाल करने का काम युद्ध स्तर पर जारी है।

सड़क और रेल संपर्क बाधित होने से हवाई किराये में बढ़ोतरी हुई है। अपने निर्वाचन क्षेत्र में पहुंचे सिलचर के सांसद राजदीप रॉय ने ट्वीट किया, 'भारी बारिश और भूस्खलन के कारण रेल और सड़क मार्ग बाधित होने के कारण मैं सिलचर-गुवाहाटी का हवाई किराया 31000 रुपये देखकर स्तब्ध हूं, जो 300 किमी की 25 मिनट वाली उड़ान के लिए है।' उन्होंने कहा कि हवाई यात्रा के टिकट मूल्य निर्धारण के मुद्दे को तुरंत ठीक करने आवश्यकता है। उन्होंने यह लिखते हुए प्रधानमंत्री और उनके कार्यालय, नागरिक उड्डयन मंत्री और भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण को टैग किया है। असम बाढ़ की चपेट में है और अब तक 20 जिलों के करीब दो लाख लोग प्रभावित हुए हैं। बाढ़ से संबंधित दो मौतों की सूचना है, जबकि पांच अन्य लोगों की मौत भूस्खलन से हुई है।

सार समाचार

चीनी विमान को पायलटों ने जानबूझकर क्रैश किया? ब्लैक बॉक्स डेटा से हुआ खुलासा, 132 लोगों की गयी थी जान

बीजिंग। चीन के दक्षिणी गुआंग्शी प्रांत में मार्च में चाइना ईस्टर्न एयरलाइंस का एक विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ। द वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के अनुसार, मलबे से बरामद ब्लैक बॉक्स की जांच करने वाले अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, मार्च में वापस 132 यात्रियों की जान लेने वाली चौंकाने वाली चीन पूर्वी विमान दुर्घटना जानबूझकर की गयी दुर्घटना प्रतीत होती है। ब्लैक बॉक्स से प्राप्त उड़ान डेटा इंगित करता है कि कॉकपिट में किसी ने जानबूझकर विमान को दुर्घटनाग्रस्त किया था। जांच से परिचित एक अज्ञात सूत्र ने जर्नल को बताया कि विमान ने वही किया जो उसे कॉकपिट में किसी ने करने के लिए कहा था। फ्लाइटरादार 24 के आंकड़ों के अनुसार, बोइंग 737, 132 यात्रियों को लेकर, लगभग 700 मील प्रति घंटे की गति से 29,000 ऊंचाई पर उड़ रहा था, जब यह दुर्घटनाग्रस्त हो हुई।

जेलेंस्की के वीडियो संबोधन के साथ कान फिल्म महोत्सव की शुरूआत

कान। इस साल कान फिल्म महोत्सव रूस के हमले का सामना कर रहे यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के एक वीडियो संदेश के साथ मंगलवार को शुरू हुआ। गौरतलब है कि वर्ष 2020 का कान फिल्म महोत्सव रद्द कर दिया गया था जबकि पिछले साल यह बहुत लघु स्तर पर आयोजित हुआ था। ईवा लोंगोरिया, जूलियने मूर, बेरेनिस बेजो और 'नो टाइम टू डाई' की अभिनेत्री लशाना लिंच सहित कई सितारे मंगलवार को 75वें कान फिल्म महोत्सव के उद्घाटन और माइकल हेजानाविसियस की फिल्म 'फाइनल कट' के प्रीमियर के लिए कान के रेड कार्पेट पर नजर आए किया। यूक्रेन में रूस का युद्ध कान समारोह के दौरान चर्चा में रहा। महोत्सव के उद्घाटन समारोह के दौरान जेलेंस्की ने सिनेमा और वास्तविकता के बीच संबंध के बारे में विस्तार से बात की। उन्होंने फ्रांसिस फोर्ड कोपोला की 'एपोकैलिप्स नाउ' और चार्ली चैपलिन की 'द ग्रेट डिक्टेटर' जैसी फिल्मों को अपने लिए प्रेरणा बताया।

अमेरिका के सुपरमार्केट में हमला: बाइडन ने नस्लवाद की निंदा की

बफेलो (अमेरिका)। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने नस्लवाद की निंदा की और कहा कि देश को उस नस्ली 'रिप्लेसमेंट थ्योरी' के झूठ को अस्वीकार कर देना चाहिए, जिसका समर्थन बफेलो में 10 अश्वेत अमेरिकियों की हत्या करने वाले हमलावर ने किया। 'रिप्लेसमेंट थ्योरी' का कहना है कि अश्वेत लोग, श्वेत लोगों और उनके प्रभाव को जानबूझकर कम करके अपना प्रभाव बढ़ा रहे हैं। बाइडन ने पीड़ितों के परिजन एवं स्थानीय अधिकारियों के साथ बातचीत में कहा कि अमेरिका की विविधता उसकी ताकत है और 'घृणित अल्पसंख्यकों' को देश को विकृत नहीं करना चाहिए। बाइडन ने कहा, 'मैं वादा करता हूं कि अमेरिका में बुराई की जीत नहीं होगी। नफरत कायम नहीं रहेगी और श्वेतों को श्रेष्ठ समझने वालों की बात निर्णायक नहीं होगी।' इससे पहले, बाइडन और प्रथम महिला जिल बाइडन ने टॉप्स सुपरमार्केट के बाहर बनाए गए अस्थायी स्मारक स्थल में मंगलवार को पीड़ितों को श्रद्धांजलि दी। इससे पहले, अधिकारियों ने बताया था कि अमेरिका के बफेलो में एक सुपरमार्केट में 10 लोगों की गोली मारकर हत्या करने वाले 18 वर्षीय श्वेत हमलावर ने स्थानीय जनसांख्यिकी के बारे में काफी खोजबीन की थी। उन्होंने बताया कि हमलावर ज्यादा से ज्यादा अश्वेत लोगों को मौत के घाट उतारने के मकसद से क्षेत्र का मुआयना करने के लिए एक दिन पहले ही वहां पहुंच गया था। प्राधिकारियों के मुताबिक, नस्लीय घृणा से प्रेरित यह हमला पुलिस द्वारा हमलावर को एक साल पहले स्कूल में गोलीबारी की धमकी देने को लेकर अस्पताल ले जाने के बाद हुआ है।

प्रधानमंत्री शरीफ ने पाकिस्तान में चीनी नागरिकों की सुरक्षा बढ़ाने का आदेश दिया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) परियोजनाओं पर काम कर रहे चीनी नागरिकों की सुरक्षा बढ़ाने का मंगलवार को आदेश दिया। आदेश जारी होने के एक दिन पहले शहबाज ने चीनी प्रधानमंत्री ली क्विंग से टेलीफोन पर बातचीत की थी और अन्य मुद्दों के अलावा पाकिस्तान में चीनी नागरिकों की सुरक्षा के मुद्दे पर भी चर्चा की थी। एक बयान के अनुसार, प्रधानमंत्री ने गृह मंत्री राणा सनाउल्लाह, योजना मंत्री अहसान इकबाल और अन्य शीर्ष अधिकारियों के साथ बैठक की। बयान में कहा गया है, 'चीनी नागरिकों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जाएगा और गृह मंत्रालय और सुरक्षा एजेंसियों को पुख्ता सुरक्षा सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है।' पुलिस के बयान में कहा गया है कि पुलिस ने सोमवार को दक्षिण-पश्चिमी बलूचिस्तान प्रांत में एक आत्मघाती हमलावर को गिरफ्तार करने का दावा किया, जिसने सीपीईसी से जुड़े चीनी नागरिकों के एक काफिले के पास खुद को उड़ाने की साजिश रची थी। शहबाज ने प्रधानमंत्री ली से कहा कि उनकी सरकार पाकिस्तान में काम कर रहे सभी चीनी नागरिकों की सुरक्षा बढ़ाने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाने के लिए प्रतिबद्ध है। कई खबरों के अनुसार, 60 अरब डॉलर के चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) परियोजनाओं के लिए पाकिस्तान में तैनात बड़ी संख्या में चीनी श्रमिकों ने पिछले महीने कराची विश्वविद्यालय में आत्मघाती हमले के बाद देश छोड़ना शुरू कर दिया था।

जंगल में लगी आग के सामने वीडियो बनाने को लेकर ट्रॉलिंग का शिकार हुईं पाक टिक-टॉक स्टार

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में एक टिक-टॉक स्टार द्वारा जंगल में लगी आग के सामने खड़े होकर वीडियो बनाने की जमकर आलोचना की जा रही है। वीडियो बनाने से पहले उन्होंने सोचा होगा कि ऐसा करने से उन्हें तारीफ मिलेंगी, लेकिन अब वह बुरी तरह ट्रोल की जा रही हैं। पाकिस्तान की सोशल मीडिया स्टार हुमायरा असगर को अपने एक वीडियो के कारण भारी आलोचना झेलनी पड़ रही है।

उत्तर कोरिया में कोरोना संक्रमण से निपटने के लिए पोलित ब्यूरो की एक बैठक में भाग लेते हुए शीर्ष नेता कि जोंग उन।

उत्तर कोरिया में 17 लाख से ज्यादा लोग बीमार पड़े, रहस्यमय बुखार ने किम जोंग का बढ़ाया तनाव

सियोल । उत्तर कोरिया में बुधवार को बुखार के 232,880 नए मामले दर्ज किए और छह लोगों की मौत हो गई है। वहीं नेता किम जोंग उन ने अधिकारियों पर देश में बढ़ते कोरोना के मामलों से निपटने में अपरिपक्वता और सुस्ती का आरोप लगाया है। इसके अलावा देश के एंटी-वायरस मुख्यालय ने कहा है कि अप्रैल के अंत से बुखार के तेजी से फैलने के बीच 62 लोगों की मौत हो गई है और 17 लाख से अधिक लोग बीमार पड़ गए हैं। इसके साथ ही यह भी जानकारी दी है कि एक मिलियन से अधिक लोग ठीक हो गए हैं, जबकि 691,170 से अधिक लोग आइसोलेशन में रखे गए हैं। वहीं बाहरी विशेषज्ञों का कहना है कि अधिकांश मामले कोरोना के होंगे। हालांकि उत्तर कोरिया पिछले सप्ताह ही ओमिक्रॉन के कहर के बाद कोरोना के कुछ मामलों को स्वीकार किया है। वहीं आशंका जताई जा रही है कि इस प्रकोप को रोकने में असफल होने पर उत्तर कोरिया में गंभीर परिणाम देखने को मिल सकते हैं। क्योंकि देश की चरमराई स्वास्थ्य व्यवस्था और टीकाकरण की अनदेखी के चलते 26 मिलियन लोगों की जान खतरे में है। किम जोंग उन ने अधिकारियों के रवैये पर सवाल उठाया है और इस बात पर चिंता जताई कि दवा की आपूर्ति समय पर नहीं हो पा रही है। इसके अलावा बैठक में किम जोंग उन ने अपनी सेना को प्योंगयांग में महामारी से लड़ाई में शामिल होने का आदेश दिया। उत्तर कोरियाई अधिकारियों ने बैठक के दौरान विश्वास जाहिर किया कि वह अपने दम पर इस महामारी से निपट सकते हैं।

21वीं सदी में नेतृत्व करने के लिए हम दुनिया के किसी भी देश से बेहतर स्थिति में: बाइडेन

वाशिंगटन (एजेंसी)

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन का कहना है कि 21वीं सदी में अगर कोई देश दुनिया को नेतृत्व करने की क्षमता रखता है तो वह है अमेरिका। बाइडेन ने यह बात बोस्टन क्षेत्र के एक मशहूर भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिक से कही है। एशियाई विरासत माह के जश्न के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा ?कि हमारा देश कई चुनौतियों का सामना कर रहा है और जिस मार्ग पर हम एक साथ यात्रा करेंगे, वह हमारे इतिहास में सबसे कठिन मार्ग में से एक होगा। बेहद कठिन समय के बावजूद मैं अमेरिका के भविष्य के लिए पहले कभी इतना आशावादी नहीं रहा। बोस्टन स्थित भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिक अभिषेक सिंह को हाल ही में लिखे एक पत्र में बाइडन ने कहा ?कि मेरा मानना ??है कि 21वीं सदी में नेतृत्व करने के लिए हम दुनिया के किसी भी देश से बेहतर स्थिति में हैं, न केवल अपनी शक्ति के परिचय के जरिये, बल्कि अपने मिसाल होने की शक्ति के जरिये भी। अभिषेक सिंह फेडरेशन ऑफ इंडियन एसोसिएशन, न्यू इंग्लैंड के अध्यक्ष हैं। उन्होंने पिछले सप्ताह न्यूयॉर्क और न्यूजर्सी में एफआईए के साथ वाशिंगटन में आजादी का अमृत महोत्सव के सामुदायिक उत्सव का शुभारंभ किया था, जिसमें सैकड़ों लोगों ने हिस्सा लिया था। सिंह को लिखे अपने पत्र में बाइडेन ने सभी अमेरिकियों का राष्ट्रपति बनने का संकल्प जताया। उन्होंने लिखा कि मुझे विश्वास है कि हम अमेरिका को अधिक न्यायपूर्ण, समृद्ध और सुरक्षित राष्ट्र बनाने की दिशा में साझा आधार खोजने के लिए मिलकर काम कर सकते हैं।

भारत को चीन-पाक से खतरा, इसलिए तैनात किया जा रहा एस-400 : अमेरिका

वॉशिंगटन (एजेंसी)

अमेरिका ने एस-400 मिसाइल सिस्टम को लेकर भारत के पक्ष में बड़ा बयान दिया है। अमेरिका की डिफेंस इंटेलिजेंस एजेंसी (डीआईए) ने कहा है कि भारत को अपने पड़ोसी देश पाकिस्तान और चीन की ओर से खतरा है, इसलिए वह इसकी तैनाती कर रहा है। डीआईए की तरफ से ये बातें उनके डायरेक्टर लेफ्टिनेंट जनरल स्कॉट बेरियर ने हाल ही में सुनवाई के दौरान सीनेट की एक कमेटी को कही। उल्लेखनीय है कि भारत ने रूस से ये मिसाइल डिफेंस सिस्टम खरीदा है। भारत को इसकी खेप पिछले साल दिसंबर से मिलनी शुरू हुई है। एस-400 की गिनती दुनिया के सबसे आधुनिक एयर डिफेंस मिसाइल सिस्टम के तौर पर की जाती है। यह एक लंबी दूरी की सरफेस टू एयर मिसाइल सिस्टम है। ये ड्रोन, मिसाइल, रॉकेट और यहां तक कि लड़ाकू जेट सहित लगभग हर तरह के हवाई हमलों को खत्म कर सकता है।

पेंटागन के मुताबिक अक्टूबर 2021 तक भारत की सेना अपनी जमीन और समुद्री सीमाओं को मजबूत करने और अपनी आक्रामक और रक्षात्मक साइबर क्षमताओं को बढ़ावा देने के लिए बेहतर सर्विलांस प्रणाली खरीदने की मांग कर रही थी। बेरियर ने कहा भारत ने अपनी हाइपरसोनिक, बैलिस्टिक, क्रूज और वायु रक्षा मिसाइल क्षमताओं को विकसित करना जारी रखा और 2021 में कई परीक्षण किए। भारत उपग्रहों की संख्या भी बढ़ रहा है, और वो अंतरिक्ष में अपना विस्तार कर रहा है। बेरियर ने सांसदों से कहा कि नई दिल्ली घरेलू रक्षा उत्पादन पर जोर देने के साथ हवाई, जमीनी, नौसैनिक और सामरिक परमाणु बलों को शामिल करते हुए व्यापक सैन्य आधुनिकीकरण का प्रयास कर रही है।

ब्रिटेन में सामने आए मंकीपाक्स के 7 मामले, समलैंगिकों और बायसेक्सुअलों के लिए जारी की गई चेतावनी

लंदन (एजेंसी)

ब्रिटेन में मंकीपॉक्स के चार नए मामले मिलने के बाद हड़कंप मच गया है। इसी के साथ देश में मंकीपॉक्स के कुल मामलों की संख्या बढ़कर सात हो गई है। ब्रिटेन में इस साल की शुरूआत में पहला मामला दर्ज किया गया था, जिसके बाद दूसरा मामला कुछ दिनों पहले पूर्वी इंग्लैंड में मिला था। अब यूके हेल्थ सिक्युरिटी एजेंसी ने मंकीपॉक्स के मामले बढ़ने पर समलैंगिक और यौन संबंधों के लिए पुरूषों एवं महिलाओं के प्रति आकर्षित रहने वाले (बायसेक्सुअल) लोगों को चेतावनी दी है। इन लोगों को अपने साथी के शरीर में असमान्य लाल चकत्ते के प्रति सतर्क रहने को कहा गया है। यूके हेल्थ सिक्युरिटी एजेंसी (यूकेएचएसए) ने सोमवार शाम कहा कि सभी नए मामलों में तीन मामले लंदन से और एक मामला पूर्वी इंग्लैंड से है। पीड़ितों ने खुद को समलैंगिक बायसेक्सुअल बताया है। एजेंसी ने कहा कि मंकीपॉक्स लोकल है, इसका विदेश यात्रा से कोई संबंध नहीं है और कहां तथा कैसे यह संक्रमण हुआ, उसकी जांच की जा रही है। यूकेएचएसए की मुख्य चिकित्सा सलाहकार डॉ सुसान हॉपकिंस ने कहा कि हम विशेष रूप से पुरुषों और समलैंगिक तथा बायसेक्सुअल लोगों से किसी भी तरह के असमान्य लाल चकत्ते के प्रति सतर्क रहने का अनुरोध करते हैं। साथ ही, बगैर कोई देर किये यौन स्वास्थ्य सेवा से संपर्क करने का आग्रह करते हैं।

रूस पर आर्थिक निर्भरता की वजह से रूस का लगातार समर्थन कर रहा तुर्की, रूस के लिए अहम है नाटो सदस्य की निकटता

रूस यूक्रेन के बीच तुर्की क्यों निभाना चाहता है सक्रिय मध्यस्थ की भूमिका

इस्तांबुल (एजेंसी)

रूस ने जब से यूक्रेन पर हमला किया है, तभी से तुर्की के राष्ट्रपति रजब तैयब एर्दोआन दोनों देशों के बीच मध्यस्थता कराने के लिए पहल करने की बात कर रहे हैं। एर्दोआन के प्रायासों के कारण ही मार्च में रूस और यूक्रेन के बीच दो बार बातचीत हो सकी थी, हालांकि इस बातचीत का कोई नतीजा नहीं निकला था। एर्दोआन ने दोनों देशों के बीच बातचीत कराने के प्रयास नहीं छोड़े हैं। हाल ही में जब फिनलैंड ने नाटो में शामिल होने का ऐलान किया तो वह एक बार फिर सक्रिय हो गए हैं। आखिर तुर्की और एर्दोआन रूस यूक्रेन विवाद में इतने सक्रिय क्यों है? तुर्की की स्थिति इस समय दुनिया के बाकी देशों से थोड़ी सी अलग है। आर्थिक लिहाज से तुर्की रूस के करीब है और तुर्की की यूरोपीय संघ के सदस्यता में बाधाएं भी इसके पीछे के कारणों में से एक है। खुद तुर्की की जनता स्पष्ट रूप से पश्चिमी देशों के पक्ष या विरोध में नहीं है।

इस साल जनवरी में हुए एक सर्वे के मुताबिक जहां देश के 39.5 प्रतिशत तुर्की नागरिक रूस और चीन से नजदीकी संबंध चाहते हैं, वहीं 37.5 प्रतिशत लोगो अमेरिका और यूरोपीय यूनियन के करीब जाना पसंद करते हैं। एर्दोआन इसी स्थिति के देखते हुए रूस के यूक्रेन हमले की निंदा करते हैं तो यह भी कहते हैं कि यह संघर्ष वर्षों के विस्तारवाद की देन है जिसने बर्लिन की दीवार के गिरने के बाद के समझौतों का सम्मान नहीं किया। वहीं तुर्की और यूक्रेन के संबंध भी कम गहरे नहीं हैं दोनों देशों में तातार प्रजाति के लोग रहते हैं जो उन्हें आपस में बांधने का काम करते हैं।

तुर्की और यूक्रेन के बीच आर्थिक और सैन्य संबंध भी हैं। तुर्की साल 2020 में यूक्रेन में प्रमुख विदेशी निवेशक रहा है और 2021 में दोनों के बीच सैन्य और व्यापारिक संबंध मजबूत हुए हैं। तुर्की ने सैन्य संबंधों के चलते यूक्रेन को 1.85 करोड़ डॉलर की सैन्य सहायता दी है। तुर्की यूक्रेन कोकाला सागर इलाके में सुरक्षा और शांति की गारंटी दे रहा था। रोचक बात यह है कि नाटो का सदस्य होने के बाद भी तुर्की ने रूस से एस-400 मिसाइल सिस्टम खरीदा और अमेराका को नाराज किया जिससे अमेरिका ने तुर्की को 2017 के एफ-35 विकास कार्यक्रम से बाहर कर दिया और अमेरिका ने उस पर पाबंदियां भी लगाईं। फिर भी तुर्की ने दूसरी बार एस-400 मिसाइल सिस्टम खरीदने की बात कर डाली।

श्रीलंका में सरकार ने निंदा प्रस्ताव पर तत्काल बहस की विपक्ष की कोशिश नाकाम की

कोलंबो (एजेंसी)

श्रीलंका के संकटग्रस्त राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे के नेतृत्व वाली सरकार को मंगलवार को संसद में उस समय दो अहम जीत मिली, जब उसके उम्मीदवार अजित राजपक्षे को सदन का उपाध्यक्ष चुन लिया गया और उसने देश के सबसे बड़े आर्थिक संकट के लिए राष्ट्रपति को दोषी ठहराने वाले निंदा प्रस्ताव पर तत्काल बहस की विपक्ष की कोशिश को नाकाम कर दिया। इस बीच, श्रीलंका के प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे ने कहा कि राष्ट्रपति राजपक्षे के खिलाफ निंदा प्रस्ताव लाने का विपक्ष का कदम खराब संसदीय रणनीति था। विपक्षी तमिल नेशनल एलायंस (टीएनए) के सांसद एम ए सुमंथिरन द्वारा राष्ट्रपति राजपक्षे के प्रति नाराजगी जताने के लिए पेश किए निंदा प्रस्ताव के पक्ष में 68 और विपक्ष में 119 मत पड़े। प्रस्ताव पेश करते हुए विपक्ष ने यह दिखाने की कोशिश की कि राष्ट्रपति राजपक्षे के इस्तीफे की देशव्यापी मांग देश की 225 सदस्यीय संसद में कैसे परिलक्षित होती है। मुख्य विपक्षी दल समागी जन बालवेगया (एसजेबी) के सांसद लक्ष्मण किरीला ने प्रस्ताव का समर्थन किया था। एसजेबी सांसद हर्षा डी सिल्वा के अनुसार, प्रस्ताव के खिलाफ मतदान करने वालों में श्रीलंका के नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे भी शामिल थे। मानवाधिकार वकील भवानी फोन्सेका ने वोट के बाद ट्वीट किया कि प्रस्ताव के विफलता ने राष्ट्रपति राजपक्षे की रक्षा करने वाले सांसदों को बेनकाब कर दिया। इससे कुछ ही घंटों पहले, श्रीलंका की संसद ने तीखी बहस के बाद सत्तारूढ़ दल के सांसद अजित राजपक्षे को सदन का उपाध्यक्ष चुना।अजित राजपक्षे (48) को गुप्त मतदान के जरिये कराए गए चुनाव में सदन का उपाध्यक्ष चुना गया। सत्तारूढ़ श्रीलंका पोदुजना पेरेमुना (एसएलपीपी) के उम्मीदवार अजित को 109 वोट मिले, जबकि मुख्य विपक्षी दल एसजेबी की रोहिणी कविरत्ने को 78 मतों से संतोष करना पड़ा। अजित राजपक्षे का सत्तारूढ़ राजपक्षे परिवार से कोई संबंध नहीं है, लेकिन वह उसी हम्बन्टोटा जिले से आते हैं जहां का सत्तारूढ़ राजपक्षे परिवार निवासी है। सदन के अध्यक्ष महिंदा यापा अभयवर्धन ने 23 मतों को खारिज कर दिया। रंजीत सियामबलपतिया के इस्तीफे के बाद से ही संसद के उपाध्यक्ष का पद खाली पड़ा था। इस दौरान देश के पूर्व प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे और उनके बेटे नमल दोनों गैर-हाजिर थे, जबकि राजपक्षे परिवार के अन्य सदस्य-बेसिल राजपक्षे और शशींद्र राजपक्षे संसद में उपस्थित थे। विक्रमसिंघे को श्रीलंका का प्रधानमंत्री नियुक्ति किए जाने और देश में हिंसा फैलने के बाद यह संसद की पहली बैठक थी। इससे पहले, महिंदा राजपक्षे ने प्रदर्शनों के बीच प्रधानमंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद, निंदा प्रस्ताव पेश करने वाले सुमंथिरन ने विपक्ष के प्रस्ताव को हराने में सरकार का समर्थन करने के 'शर्मनाक कृत्य' के लिए प्रधानमंत्री विक्रमसिंघे की निंदा की। विक्रमसिंघे की पार्टी 'यूनाइटेड नेशनल पार्टी' (यूएनपी) ने प्रधानमंत्री के कदम का बचाव करते हुए ट्वीट किया कि विक्रमसिंघे ने विपक्ष को सूचित कर दिया था कि संसद के स्थायी आदेशों को निलंबित करने के लिए मतदान कराना 'खराब संसदीय रणनीति' है। बाद में विक्रमसिंघे ने भी ट्वीट किया, 'यह राष्ट्रपति के खिलाफ निंदा प्रस्ताव नहीं था। यह संसद की सभी कार्यवाहियों को निलंबित करने और निंदा प्रस्ताव पर तत्काल बहस कराने के लिए मतदान था।' उन्होंने कहा, 'मैंने सांसद सुमंथिरन को 16 (मई) तारीख को सलाह दी थी कि इसमें हार मिलेगी, क्योंकि जो सांसद अपने घरों पर हमलों को लेकर बहस करना चाहते हैं, वे निंदा प्रस्ताव पर तत्काल बहस करने के पक्ष में मतदान नहीं करेंगे।' इस बीच, श्रीलंका में सत्तारूढ़ दल के दो सांसदों को पिछले सप्ताह सरकार विरोधी प्रदर्शनकारियों पर हिंसक हमलों में शामिल होने के आरोप में मंगलवार को गिरफ्तार किया गया। गौरतलब है कि सरकार समर्थित भीड़ ने राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे और उनके भाई तथा पूर्व प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे के इस्तीफे की मांग कर रहे प्रदर्शनकारियों पर नौ मई को हमला कर दिया था। इसके बाद राजपक्षे के वफादारों के खिलाफ भड़की व्यापक हिंसा में नौ लोगों की मौत हो गयी थी और 200 से अधिक घायल हो गए थे। पुलिस प्रवक्ता निहाल थलदुवा ने बताया कि एसएलपीपी के सांसद सनथ निशांथा और मिलन जयतिलके को गिरफ्तार किया गया। विक्रमसिंघे ने उपाध्यक्ष पद के चुनाव में हार का सामना करने वाली रोहिणी कविरत्ने की भी आलोचना की। विक्रमसिंघे ने सोमवार को अगले दो महीने सबसे कठिन होने की चेतावनी देते हुए कहा था कि उनका लक्ष्य किसी व्यक्ति, परिवार या समूह को नहीं, बल्कि संकटग्रस्त देश को बचाना है। उनका इशारा राजपक्षे परिवार एवं उसके पूर्व प्रभावशाली नेता महिंदा राजपक्षे की ओर था श्रीलंका 1948 में मिली आजादी के बाद से सबसे खराब आर्थिक संकट से गुजर रहा है। विदेशी मुद्रा भंडार की भारी कमी से ईंधन, रसोई गैस एवं अन्य जरूरी चीजों के लिए लंबी लंबी कतारें लग गयी हैं तथा भारी बिजली कटौती एवं खाने-पीने के बढ़ते दामों ने लोगों की दुश्वारियां बढ़ा दी हैं।

सुविचार

स्व प्रेरित होकर कार्य करना किसी बुद्धिमान व्यक्ति का सबसे मज़बूत गुण होता है। - अज्ञात

संपादकीय

गेहूं पर यू टर्न

केंद्र सरकार ने वैश्विक संकट के मद्देनजर गेहूं का निर्यात बढ़ाने का जो लक्ष्य तय किया था, अब उस पर रोक का अप्रत्याशित निर्णय लेकर सरकार ने सभी को चौंकाया है। निस्संदेह यह फैसला वक्त की जरूरत बन गया था। देश में पेट्रोलियम पदार्थों व खाद्य पदार्थों की अप्रत्याशित मुद्रास्फीति के चलते यदि आम आदमी की मौलिक आवश्यकता आटा और महंगा होता तो निस्संदेह सरकार को जनाक्रोश का सामना करना पड़ सकता था। जो सदी के पहले दशक में गेहूं के निर्यात और उससे उत्पन्न संकट के बाद महंगे आयात की याद ताजा करा देता। निस्संदेह, प्रतिबंध का फैसला घरेलू आवश्यकताओं और उपभोक्ताओं के हितों को ध्यान में रखते हुए लिया गया। दरअसल, मौसम की मार के चलते इस वर्ष गेहूं का उत्पादन लक्ष्य के अनुरूप नहीं हो सका। वहीं बड़ी कंपनियां व व्यापारी किसानों के खेतों से ही एमएसपी से ज्यादा मूल्य पर गेहूं की खरीद करने लगे थे, जिसके चलते इस बार पिछले डेढ़ दशक में सबसे कम खरीद सरकारी एजेंसियों द्वारा की गई है। ऐसे वक्त में जब केंद्र सरकार ने कोरोना संकट से उबरते देश में अस्सी करोड़ लोगों को सितंबर तक मुफ्त गेहूं उपलब्ध कराने का वादा किया हुआ है तो फिलहाल के हालात में उसे पूरा करने का लक्ष्य चुनौती बन सकता था। इसके अलावा सरकार को सार्वजनिक वितरण प्रणाली के लिये भी गेहूं उपलब्ध कराना होता है। ऐसे वक्त में जब खाद्य पदार्थों की खुदरा व थोक कीमतें नई ऊंचाइयां छू रही हैं, निर्यात के चलते आटा और महंगा होता तो यह निर्यात जारी रखना राजनीतिक रूप से आत्मघाती भी साबित हो सकता था। प्याज संकट के चलते राजनीतिक बदलाव के प्रसंगों को राजनेता भूले नहीं होंगे। वैसे भी खाद्य सुरक्षा की जवाबदेही के चलते सरकार का यह फैसला वक्त की जरूरत कहा जा सकता है। हालांकि, इस प्रतिबंध के चलते भारत का वह संकल्प पूरा नहीं हो सकता, जिसमें रूस-यूक्रेन संकट से उत्पन्न खाद्यान्न संकट के बीच दुनिया की सेवा की बात कही गई थी, जिसके चलते कुछ देशों ने भारत के फैसले की आलोचना भी की है। निस्संदेह, वैश्विक प्रतिबद्धता अपनी जगह है लेकिन घरेलू खाद्य सुरक्षा हर सरकार की प्राथमिकता है। कहा जा रहा है कि इस फैसले से किसानों को मिलने वाला अधिक दाम अब न मिल सकेगा और उसे गेहूं न्यूनतम समर्थन मूल्य पर बेचना पड़ेगा। लेकिन हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि संकट में अवसर तलाशने वाले जमाखोरों ने घरेलू बाजार में कालाबाजारी शुरू कर दी थी। आटे के दाम में तेरह फीसदी की वृद्धि हुई, जिससे तमाम बेकरी उत्पाद भी महंगे हो गये। ऐसे में सरकार को ऐसे लोगों पर निगरानी व कार्रवाई का तंत्र विकसित करना होगा जो कालाबाजारी व जमाखोरी से खाद्यान्नों की कीमतों से खेलते हैं। बहरहाल, भले ही केंद्र ने घरेलू जरूरतों के मद्देनजर कीमतों को संतुलित करने के लिये निर्यात पर रोक लगाई है, लेकिन स्पष्ट किया गया है कि सरकार जरूरतमंद देशों को गेहूं के निर्यात की अनुमति दे सकती है। हालांकि, अभी भी जारी किये गये लेटर ऑफ क्रेडिट के लिये गेहूं का निर्यात होता रहेगा। ऐसे में कह सकते हैं कि जरूरी खाद्य वस्तुओं की कीमतों पर नियंत्रण के नजरिये से निर्यात प्रतिबंध वक्त का फैसला है। यह इसलिए भी जरूरी था कि यदि रूस-यूक्रेन युद्ध लंबा खिंचता और भारतीय निर्यात जारी रहता है और परिस्थितिवश भारत को गेहूं आयात करना पड़ता तो वह मौजूदा संकट में किसी भी कीमत पर उपलब्ध नहीं होता।

नई जल नीति भौगोलिक नियोजन के आधार पर बने

(लेखक - मुकेश तिवारी)

बेहतर कल के लिए राष्ट्रीय जल नीति जो 2012 में लाई गई थी कन्वेंशन जल के उपयोग, क्षमता और उसके संरक्षण पर आधारित थी। यह वर्तमान चुनौतियों जैसे जलवायु परिवर्तन, नगरों में पेयजल संकट, गंगा की सफाई और जल के फिर से उपयोग आदि से अछूती रही है अत वक्त आ गया है कि हम जल के विभिन्न भौगोलिक आयामों तथा नियोज नों पर आधारित एक समेकित नीति लाए। जल, खाद, ऊर्जा तथा मानव स्वास्थ्य को इकट्ठा कर रखने वाला तत्व है। हिंदुस्तान में पर्याप्त जल है, यदि हम विश्व के संदर्भ में देखें तो यहां18 फ़ीसदी मानव जनसंख्या है जो 2.4 फ़ीसदी भौगोलिक क्षेत्रफल पर है मगर विश्व का मात्र 4ब्न जल हिंदुस्तान में उपलब्ध है। हमें जल नीति में इस बात को ध्यान रखना पड़ेगा।

100 रेनी डे आधारित जल नीति

हिंदुस्तान में तकरीबन 60 फ़ीसदी

क्षेत्र वर्षा पर आधारित है। जहां कृषि मानसून पर निर्भरहै हिंदुस्तान में चार मुख्य फसल 48 फ़ीसदी जी डीपी में भागीदारी निभाती है। सर्वप्रथम हमें हिंदुस्तान में 100 रेनी डे पर आधारित जल नीति तैयार करनी होगी क्योंकि हिंदुस्तान में अधिकांश वर्षा इसी 100 दिन में होती है। जल नीति बनाते वक्त हमें खास तौर से ध्यान रखना होगा कि जल भौगोलिक सीमा का अनुकरण करता है। न कि राजनीतिक सीमा का, इसलिए वर्षा जल को 100 वर्षा के दिनों में संग्रहित करने वाटर शेड मैनेजमेंट (जिसमें 130 मिलियन हेक्टर की संभावना है)' पर ध्यान केंद्रित करना होगा। अभी तक 40 इ50 मिलियन हेक्टर वाटर शेड एरिया का ही उपयोग सरकार कर सकी है। दूसरी तरफ प्रति व्यक्ति जल उपलब्धता कम होती जा रही है 1951 में प्रति व्यक्ति जल उपलब्धता 517 7 क्यूबिक मीटर प्रतिवर्ष थी। जो अब घटकर 1400 के आसपास रह गई हैएक अनुमान के अनुसार 2050 में यह 11 40 क्यूबिक मीटर पहुंच जाएगी। विश्व के 70 फ़ीसदी हिस्से जिसके अंतर्गत हिंदुस्तान का बहुत बड़ा हिस्सा है। 2025 तक वॉटर स्ट्री स् की श्रेणी में आ जाएगा इसकी झलक अभी हिंदुस्तान के विभिन्न हिस्सों में उत्पन्न हुए जल संकट में देखी जा सकती है। इसमें तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, गुजरात, राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, आदि इलाके आएंगे। यदि हम वार्षिक वर्षा के अनुमान 4000 क्यूबिक किलोमीटर से तुलना करें तो जो पानी अभी उपयोग हो रहा है वह 1123 क्यूबिक किलोमीटर ही है हिंदुस्तान में वर्षा की विभिन्नता पर ध्यान देना जरूरी है। पश्चिमी घाट में अधिक बारिश होती है पूर्वी समुद्री क्षेत्र में भी अधिक बारिश हैलेकिन तमिलनाडु केंद्रीय शैडो एरिया में आता है। इस वजह से यहां अल्प वर्षा होती है हिंदुस्तान के केंद्र में मध्यम वर्षा होती है। जबकि पूर्वी भाग में काफी अधिक। पश्चिम में राजस्थान में बारिश की मात्रा बहुत कम होती है। हमें 12 मुख्य नदियों बेसिन तथा 46 मध्य नदी बेसिन का समेकित संदर्भ में प्रबंधन करना होगा। जिससे 1208 किलोमीटर वार्षिकवर्षा का समुचित उपयोग किया जा सके करीब 4000 बिलियन क्यूबिक मीटर वार्षिक औसत वर्षा में मानसून के दिनों की बारिश करीब 3000 बिलियन क्यूबिक मीटर है। पेयजल हमारी मुख्य समस्या बन गई है। तकरीबन 23 फ़ीसदी टप वाटर कुआं 20 फ़ीसदी हेड पंप 47 फ़ीसदी नदी जल सिस्टम के भौगोलिक क्षेत्र तथा औसत वार्षिक जल की संभावना आदि को ध्यान में रखकर हमें उपयोग में लाने

योग्य स्थली जल संसाधन का नियोजन करना होगा। उसके अनुसार सबसे अधिक गंगा बेसिन, इसके बाद गोदावरी, कृष्णा, महानदी और सिंध क्षेत्र आते हैं हिंदुस्तान के औसत 54 फ़ीसदी भूमिगत जल का कम होना तय है।

एक अनुमान के अनुसार हिंदुस्तान में तकरीबन 100 मिलियन लोग खराब जल वाले क्षेत्र में रहते हैं। राष्ट्रीय जल नीति में हमें गौर करना होगा कि करीब 80 फ़ीसदी स्थ लिए

जल और 60फ़ीसदी भूमिगत जल कृषि क्षेत्र में उपयोग होता है अतः हमारी कृषि की उत्पादकता और देश की खाद्य सुरक्षा जल पर आधारित है। यह जनसंख्या वृद्धि के साथ-बढ़ता जाता है दूसरी ओर वर्षा की किल्लत तथा अधिकतम होना हिंदुस्तान में प्राकृतिक आपदा का कारण बन जाता है। तकरीबन 70 फ़ीसदी हिंदुस्तान का भूभाग सूखा पीड़ित है। 5ब्न(40 मिलियन क्टरक्टर बाढ़ से पीड़ित होता है। 8ब्न भूभाग जो 8000 किलोमीटर तटीय क्षेत्र है। चक्रवात से प्रभावित होता है। तकरीबन सभी तालाबों और नदियों में सीवरेज का गंदा पानी गिरने से प्रदूषित है। भूमिगत जल का विघटन रिचार्ज की अपेक्षा तेजी से कम हो रहा है। यह सब हिंदुस्तान में प्राकृतिक आपदा के प्रमुख कारण है। जलभराव, जल सुरक्षा, जल उत्पादकता, जल सुशासन, वर्चुअल जल तथा वॉटर फुटप्रिंट और खरा नीला जल हमारी जल नीति के मुख्य अंग होने चाहिए।

वर्षा पर निर्भरता कम करनी होगी

हमें बरसा आधारित कृषि पर निर्भरता कम करनी होगी इसके लिए भौगोलिक टाइपोग्राफिक पर आधारित चल संगठित क्षेत्र बनाने होंगे इजराइल के पेटेंट पर जल की क्षति को कम करने के लिए की स्पेलिंग सिंचाई पद्धति अपनानी होगी जल की उपलब्धता के आधार पर फसल प्रतिरूप लाने होंगे जैसे अधिक जल क्षेत्रों में धान आदि लगाई जा सकती है जल प्रदूषण के लिए थर्मल पावर प्लांट कसूरवार हैं उनका समाधान भी नीति का भाग होना चाहिए भूमिगत जल को उपयोग करने के लिए स्पेसिफिक कौन सी होनी चाहिए पेयजल के लिए मीटर लगाना बहुत सारे क्षेत्रों में उपयोग किए गए जल को पुनः उपयोग किया जा सकता है कंसेप्ट और ऑफ इकोलॉजिकल सैनिटेशन या मनुष्य तथा पशुओं के मूर्ख आगे को होम गार्डन के लिए उपयोग में लाया जा सकता है की तरफ ध्यान देना होगा जल समस्या रीजन है जैसे गुजरात, कर्नाटक, मराठवाडा राजस्थान, दिल्ली के ग्रामीण क्षेत्र मध्य प्रदेश उत्तर प्रदेश में स्थित बुंदेलखंड क्षेत्र हैदराबाद, हिमाचल प्रदेश, आदि उपचार की सहूलियत जो है मगर काम नहीं करती इसके चलते तमाम सारी नदियों का पानी पुलिस होता है कुछ इलाकों में समुद्र के खारे पानी को पीने योग्य बनाने के लिए लगाए गए हैं इस तरह ध्यान देकर तथा क्षेत्र की समस्या हल की जा सकती है रेन वाटर हार्वेस्टिंग और भूमिगत जल का कृत्रिम रूप से रिचार्ज पंचायत तथा प्रत्येक गांव का कर्तव्य होना चाहिए नमामि गंगे परियोजना को स्वच्छ भारत अभियान से जोड़ने के साथ-साथ पर्यटन जलमार्ग उपयोग मछली पालन, सब्जी उत्पादन, गरीबों के जीवन यापन के साधनों को मिलाना होगा नदी बेसिन को प्रदेशिक विकास के साथ जुड़ना आवश्यक हो गया है हमें दक्षिण कोरिया तथा चीन के कुछ क्षेत्रों में असफलताओं को सामने रखकर जल नीति बनानी होगी जल नीति बनाते वक्त देश में प्रचलित परंपरागत तथा सांस्कृतिक सामुदायिक जल प्रबंधन को भी ध्यान में रखना होगा।

(स्वतंत्र पत्रकार)

जीवन अनुभवों की वास्तविकता ही प्रेरणादायक

दिनेश चमोला 'शैलेश'

अच्छाई व बुराई से सामना किसी भी सामान्य व महापुरुष के जीवन का कटु सत्य होता है। कुछ मनुष्य जीवन में उपलब्धियों की मंजिल अर्जित करने पर अपने भोगे हुए कलुषित अतीत को छुपा देना चाहते हैं; उसमें से उनके व्यक्तित्व की दुर्बलताओं के पक्ष को उजागर करने वाला पक्ष, संदेश अथवा कालखंड प्रायः लुप्त हो जाता है। केवल वही पक्ष अथवा संदर्भ बचा रहता है जो उनके व्यक्तित्व के उजले व समर्थ पक्ष को प्रतिबिंबित करता हो। परोक्षतः उनके व्यक्तित्व को गरिमामय बनाने वाला पक्ष ही शेष रह जाता है जबकि इसे गरिमामय बनाने वाली अन्य घटनाएं, संदर्भ, अकाट्य सत्य अथवा वृत्तांत, प्रायः गायब हो जाते हैं । महापुरुष वह है, जो अपनी कमजोरियों, दुर्बलताओं व संघर्षों से अपने पाठकों, दर्शकों, युवाओं एवं आगामी पीढ़ियों को जीने की प्रेरणा-शक्ति प्रदान करने की जीवटता रखता हो। यह तभी संभव है जब आपकी कथनी और करनी अक्षरशः एकरूप हो। वस्तुतः अपनी अनुभूत कमजोरियों, गलतियों के पर्याय का नाम ही अनुभव है। अनुभव वह है जिसके निजी अनुभूत सत्य, संदर्भ एवं प्रसंग दूसरों को जीवन की कटुता से जूझने व संघर्ष करने की शक्ति दें व अंततः उन पर विजय प्राप्त कर उन्हें उनके अभीष्ट की प्राप्ति कर सके। स्वभावतः यह मानव की चारित्रिक दुर्बलता है कि वह अपने उत्कृष्ट को सार्वजनिक व दूर-दूर तक संप्रेषित करना चाहता है, लेकिन उस उत्कृष्ट की आधारशिला रहे जीवन-संघर्ष के निकृष्ट को गुप्त अथवा लुप्त कर देना चाहता है। मौलिक प्रतिभा-संपन्न व्यक्ति अपने सत्याचरण के अनुभवों की गठरी को सबके समक्ष खोल उन्हें उस विशिष्ट मार्ग की ओर दृढ़ता से अग्रसर होने की जीवनी-शक्ति का अवसर प्रदान करता है। इसीलिए ऑस्कर वाइल्ड ने कहा था :-'अनुभव गलतियों के लिए चुना गया एक नाम है।' विवेक और कर्म की जो भूमिका जीवन में होती है, वही भूमिका बुद्धि और अनुभव की भी, दूसरों के लिए प्रवचन अथवा उपदेशन में भी। वस्तुतः अनुभव, अर्जित या फिर लब्ध ज्ञान को व्यावहारिक रूप में परिणत कर उसे दूसरों के जीवन में उतार, उसके माध्यम से संघर्ष के सोपान तय कर, अपने गंतव्य व मंतव्य में सफल होने की प्रेरणा देने वाला एक पारदर्शी वृत्तांत है। मनुष्य अपनी कृत्रिम बुद्धिमत्ता से सदैव स्वयं को अधिक चतुर, कुशल, निपुण, सर्वथा सक्षम व अन्यान्य क्षमताओं से परिपूर्ण प्रदर्शित करना चाहता है। किंतु यह भूल जाता है कि वह अपने को उत्कृष्ट दर्शाने की होड़ में अपने जीवन आदर्शों की वास्तविक पूंजी, अर्थात् सत्य से दूसरों को कितना भटका रहा होता है। चाहे लेखन हो या चिंतन, जीवन हो या कार्य-व्यवहार... वहां, जहां-जहां से हम जो कुछ अर्जित करते हैं उसकी स्वीकार्यता के साथ कृतज्ञता का ज्ञापन वस्तुतः नहीं करते। आप किसी की वैचारिक-संपदा को, बिना उद्धृत किए हुए, अपने नाम पर छाप देना चाहते हैं... ऊपर से उसे आप अपनी उत्कृष्टता करारते हैं। लेकिन ज्ञान का असली सुख तब है जब हम अपने अनुभूत सत्य को शत-प्रतिशत पारदर्शिता से अखबार अथवा अन्यत्र अपनी वैचारिक तूलिका से चित्रित करने में सक्षम हो सकें। सत्याचरण का यथार्थ निरूपण दूसरे के हृदय में हमारे प्रति स्नेह के बीज अंकुर पैदा करने की सामर्थ्य जुटाता है, जबकि आचरणरहित उपदेशात्मकता केवल शब्द का अस्थि-पंजर बन किसी को भी देखने अथवा पढ़ने मात्र के लिए ही बाध्य कर सकती है। लेकिन उसके भीतर उस मार्ग की ओर अग्रसर करने या होने की क्षमता विकसित करने की गुण-ग्राह्यता अथवा अर्हता नहीं जुटा सकती। इसलिए अनुभव की सार्थकता इसी में है कि हमारे कटु अनुभव हमारे पाठकों, श्रोताओं, दर्शकों अथवा ज्ञान-पिपासुओं को कम समय में उचित मार्ग की ओर प्रेरित कर उनमें मूल्यादर्शों की स्थापना की गारंटी का पर्याय हो सकें। जिस प्रकार एक सुंदर व अनुपम भवन के विन्यास में बहु प्रकार की तुच्छ व श्रेष्ठ सामग्री का समन्वय होता है, उसी प्रकार हमारे जीवन अथवा व्यक्तित्व के निर्माण में भी असंख्य प्रेरक, अग्रजों, गुरुओं, पुस्तकों, चिंतकों, विचारकों अथवा विचारधाराओं का स्नेहाशीष सन्निहित रहता है। अनुभव, सहज रूप में, अपने ऊपर किए गए परमार्थों की कृतज्ञता का ज्ञापन है तथा अपने भुक्त कटु यथार्थ का पारदर्शी अंकन। उनके लिए जो उसी मार्ग में सहजता से आपके अनुभवों से लाभान्वित हों, जीवन-वृत्ति अथवा अपेक्षित लक्ष्य या गंतव्य सहजता से प्राप्त कर सकें, इन सूत्रों की कुंजी का नाम है अनुभव। वस्तुतः अनुभव परंपरा से मिली ज्ञान संपदा को उसी जीवटता से अपने मंतव्य को सोद्देश्यता से अगली पीढ़ी को अंतरित करना है जो उनकी प्राप्ति पर स्वयं को न केवल संरक्षित महसूस करे, बल्कि उस ज्ञान व शिक्षण की इस अक्षुण्ण परंपरा के संवर्धन में अपनी तदनुसार भूमिका भी सुनिश्चित कर सके।

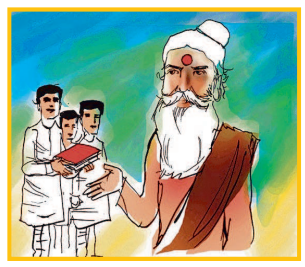

आज के कार्टुन

परमार्थ

श्रीराम शर्मा आचार्य

प्राचीन समय में जिन लोगों के कारण इस धरा पर सतयुगी परिस्थितियां बनी हुई थीं, उन्हें भूसुर अर्थात धरती का देवता कहा जाता था। ये भूसुर कहीं आसमान से नहीं टपकते थे बल्कि इसके पीछे इनके जीवन जीने की श्रेष्ठ शैली ही थी। उनकी श्रेष्ठता का मूल आधार हुआ करता था-परमार्थ। आखिर, परमार्थ है क्या? हमारी मोटी बुद्धि दान को ही परमार्थ मानती है। दान के रूप में दिया गया धन यदि कहीं कुपात्र के हाथ लगा, तो जाहिर है उसे वह दुर्व्यसनों में ही खर्च करेगा। आपत्ति में डूबे हुए लोगों की मदद करना तो अच्छी बात है, किंतु देने वालों को देखना यह भी चाहिए कि सस्ती वाहवाही के फेर में कहीं वे लेने वाले का स्वाभिमान और स्वावलंबन तो नहीं नष्ट कर रहे हैं। गांधी जी की बहन विधवा थीं। उनकी पुत्री भी विधवा हो गई। उन्होंने गांधी जी से कुछ सहायता चाही। गांधी जी ने जवाब दिया कि तुम दोनों आश्रम में आ जाओ। अशिक्षित होने पर भी तुम आटा पीस सकती हो। ऐसा करते हुए अपनी मेहनत की कमाई से पेट भरना। भजन के नाम पर भी दान देने या लेने का कोई औचित्य नहीं। वस्तुत- व्यक्ति को गुजरात के बापा जलाराम की तरह भजन करना चाहिए। वे स्वयं खेती करते थे। उनकी पत्नी उस कमाई से भोजन बनाकर जरूरतमंदों का पेट भरा करती थी। जलाराम खेती करते समय और पत्नी रोटी बनाते समय मन ही मन भजन करते रहते थे। अनगिनत लोग ऐसे हैं, जिनके लिए अपने परिवार का निर्वाह भी कठिन होता है। बचत करने का मौका ही नहीं आता, जिसे वह किसी को दान कर सकें। पुराने जमाने में साधु और ब्राह्मण जन ऐसा ही करते थे। अपरिग्रही होने के कारण उनके पास कुछ जमा तो हो नहीं पाता था, फिर भी उन्हें उच्च कोटि का परमार्थी और उदारमना माना जाता था। कुछ लोग ऐसा सोचते हैं कि हमने तो अपनी गाढ़ी कमाई का पैसा दान किया है, अब लेने वाला उसका चाहे कुछ भी करे। वह जैसा करेगा, वैसा भरेगा। किंतु वस्तुत- दान का मर्म यह नहीं है। दान का मर्म हमें भली प्रकार हृदयंगम करना चाहिए और हमेशा सुपात्र ढूंढकर ही धन, समय, प्रतिभा या श्रम का दान करना चाहिए अन्यथा मानकर चलें कि हम समाज का बहुत अहित कर रहे हैं। लोगों को आलसी-प्रमादी और निठल्ला बना रहे हैं। सच्चे अथरे में सुपात्र को दिया गया दान ही पुण्य और परमार्थ है।

सू-दोकू नवताल -2120

1	2		5	3	8			7
		3	4		7		1	6
5		4				3		2
			6			8		
2	6		9		4		3	5
		1			5			
4		2				7		1
9	8		2		1	6		
6			7	9	3		2	8

सू-दोकू -2119 का हल

4	8	3	6	2	9	1	5	7
6	1	5	4	7	3	2	9	8
2	7	9	1	5	8	3	4	6
3	9	1	5	8	2	6	7	4
5	2	7	3	4	6	9	8	1
8	6	4	7	9	1	5	2	3
9	3	8	2	6	4	7	1	5
1	5	2	8	3	7	4	6	9
7	4	6	9	1	5	8	3	2

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली- 2120

बायें से दायें:-

1. अभिषेक, सुनील, ऐश, शबाना की 'बहका दिया' गीत वाली फिल्म-4,2
4. 'दोस्ती हो गई रे' गीत वाली सुनील शेट्टी, सुष्मिता, नम्रता की फिल्म-3
6. 'छोड़ो मुझे' गीत वाली फिल्म 'जानू' में जैकी के साथ नायिका कौन थी-2
7. 'दिल खुश है आज उनसे' गीत वाली सुनीलदत्त, मीना कुमारी की फिल्म-3
9. फिल्म 'प्यार का साया' में राहुलराय के साथ नायिका कौन थी-2
11. एम. एफ. हुसैन की फिल्म 'गजगामिनी' में मुंशी प्रेमचंद की 'निर्मला' की भूमिका किसने की है-3
13. राजेंद्रकुमार, बबीता की 'रिमझिम के गीत सावन गाए' गीतवाली फिल्म-4
14. 'रामजी की निकली सवारी' गीतवाली ऋषिकपूर, जयाप्रदा की फिल्म-4
16. कमल हासन, श्रीदेवी की 'ऐ जिंदगी गले लगा ले' गीत वाली फिल्म-3
18. 'चोरी चोरी तेरे संग' गीत वाली मिथुन, आयशा जुल्का की फिल्म-3
20. लकी अली, गौरी कार्णिक की 'कभी शाम ढले तू मेरे' गीत वाली फिल्म-2
21. 'हमीं से मोहब्बत हमीं से' गीत वाली दिलीपकुमार, वैजयंती की फिल्म-3
23. अनिलकपूर, माधुरी की 'एक बात मान लो तुम' गीत वाली फिल्म-2
27. 'फूल सा चेहरा चाँद सी' गीत वाली प्रदीपकुमार, नगिंस की फिल्म-2,2,2
28. देव आनंद, गिरीश, टीना मुनीम की 'आवाज सुरीली का' गीत वाली फिल्म-5

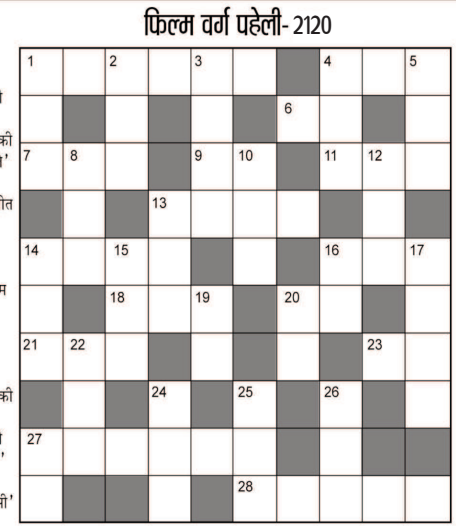

ऊपर से नीचे:-

15. 'उड़ जा काले कावां' गीतवाली फिल्म-3
16. नसीर, अतुल अग्निहोत्री की फिल्म-2
17. शशि कपूर, शर्मिला टैगोर की फिल्म-2,2
19. अनिलकपूर, जैकी, अजय, मनीषा, माधुरी, सोनाली, रेखा की फिल्म-2
20. 'मेरा सेहरा तू है' गीत वाली फिल्म-2
22. सनी देओल, मीनाक्षी की फिल्म-3
24. 'चढ़ती जवानी मेरी चाल' गीत वाली फिल्म-3
25. फिल्म 'अजूबा' में 'शहजादी हिना' की भूमिका किसने की थी-3
26. 'तू लाली है सवेरे वाली' गीत वाली फिल्म-3
27. फिल्म 'शर्मीली' में शशिकपूर के साथ नायिका कौन थी-2

फिल्म वर्ग पहेली- 2119

क	ल	यु	ग		जा	न	ए	म	न
भी		वा		दि	ल		ला		या
अ	क्ष		शि	वा		ख्रा	न	दा	न
ल		ठि	का	ना		मो			शा
वि			र		आ	शी	र्वा	द	
दा	मि	नी		भा	ई			ह	स्ती
ना		ल	क्ष्य		ना	ला	य	क	
क	स	म		स		ट			में
ह			दौ	ड़		सा	थ	सा	थ
ना	स्ति	क		क	री	ब			न

1. सतीश, सुभाष घई, अर्चना की फिल्म-3
2. 'चलती है पुरवाई' गीत वाली फिल्म-3
3. 'तेरी चाहत में दीवाना हूँ' गीत वाली फरदीन खान, सेलिना की फिल्म-4
4. संजयदत्त, अतुल, रवीना, करिश्मा की 'काश तुम मुझसे एक' गीत वाली फिल्म-3
5. राजेश खन्ना, ऋषिकपूर, पूनम की फिल्म-3
8. 'तुम भी चलो हम' गीत वाली फिल्म-3
10. फारूख शेख, नसीरूद्दीनशाह, स्मिता पाटिल की फिल्म-3
12. अक्षयकुमार, रवीना टण्डन की 'एक लड़की एक लड़का' गीत वाली फिल्म-3
13. फिल्म 'पुष्पक' में कमल हासन के साथ नायिका कौन थी-3
14. प्रदीपकुमार, कल्पना की फिल्म-3

इन अजीबोगरीब इमारतों को देखकर आप भी हो जाएंगे हैरान,

किसी का जूते तो किसी का टोकरी जैसा है आकार

दुनिया भर में कई ऐसी अजीबोगरीब और विचित्र जगहें हैं जिन्हें देख कर लोग हैरान रह जाते हैं। ऐसी कई जगह है जहां की विचित्र निर्माण शैली को देखकर आप भी सोच में पड़ जाएंगे कि बनाने वाले ने खूब बनाया है। इन्हें एक बार देखने के बाद आपका भी मन करेगा कि इन्हें प्रत्यक्ष रूप से देखा जाए। आज के इस लेख में हम आपको दुनिया की सबसे विचित्र और अनोखी इमारतों के बारे में बताने जा रहे हैं -

उल्टा चर्च

कनाडा के कैलेग्री में स्थित चर्च को देखकर को देखकर आप भी हैरत में पड़ जाएंगे। यह चर्च देखने में उल्टा लगता है, जिसके कारण इसका नाम डिवाइस टू रूट आउट डेविल रखा गया है। इसका मतलब 'शैतान को जड़ से उखाड़ने का यंत्र।' इस चर्च की ऊंचाई करीब 7 मीटर और चौड़ाई 3 मीटर है। कनाडा आने वाले पर्यटकों के बीच यह चर्च आकर्षण का केंद्र है।

नाचता मकान

नीदरलैंड में स्थित एक घर को देखकर आपको ऐसा लगेगा कि मकान नाच रहा है। इस अनोखे मकान का नाम दो प्रसिद्ध डांसर फ्रेड एस्टेयर और जिंजर रॉजर्स के नाम पर रखा गया है। इस इमारत के दो हिस्से हैं। पहले भाग को शीशे से बनाया गया है, वहीं दूसरा हिस्सा सीधा है। इस मकान में कुल 9 मंजिलें हैं।

टोकरी जैसा ऑफिस

ओहियो के नेवार्क शहर में एक ऑफिस का आकार लकड़ी की टोकरी जैसा है। यह इमारत लॉन्ग बर्गर का मुख्यालय है, जो की लकड़ी की टोकरी बनाने वाली एक कंपनी थी। इस इमारत का निर्माण 1997 में हुआ था। इसके सात मंजिलों के निर्माण में लगभग 3 करोड रुपए खर्च हुए थे। इस इमारत में ऊपर स्टील के दौरान जल दिए गए हैं और नीचे की टोकरी का आकार है।

जूते के आकार का घर

पेंसिलवेनिया जाने वाले पर्यटकों को हैंस शू हाउस को जरूर देखना चाहिए। इस घर का आकर जूते की तरह है। यह विचित्र इमारत हेलन टाउनशिप में स्थित है। दुनियाभर से पर्यटक इस बिल्डिंग को देखने आते हैं।

पुस्तकालय के आकार की इमारत

यूनाइटेड स्टेट्स के मिजूरी में कंसास सिटी एक पुस्तकालय के आकार की है। इसे बाहर से देखने पर ऐसा लगता है कि कई सारी किताबें रखी गई हों। इस अनोखी इमारत का आकार 25 से 9 फीट है। इस लाइब्रेरी की दक्षिणी दीवार पर 22 किताबों के अनोखे डिजाइन को इमारत बनाया गया है।

गर्मी में घूमने के लिए यह हैं बेहतरीन जगहें

जब गर्मी का मौसम आता है तो मन करता है कि किसी ठंडी जगह पर जाकर रहा जाए। चिलचिलाती गर्मी सिर्फ तन को ही नहीं, मन को भी झिंझोड़कर रख देती हैं। ऐसे में समर वेकेशन में हम सभी किसी कूलिंग प्लेस पर जाना चाहते हैं। वैसे इस मौसम में घूमने के स्थान का चयन बेहद सोच-समझकर करना चाहिए। तो चलिए आज हम आपको कुछ ऐसी जगहों के बारे में बता रहे हैं, जहां पर आप गर्मी के दिनों में कुछ रिलैक्सिंग पल बिता सकते हैं-

मनाली

भारत में लोकप्रिय ग्रीष्मकालीन अवकाश स्थलों में से एक, हिमाचल प्रदेश में मनाली में प्राकृतिक सुंदरता, और रोमांच का बेहतरीन संगम है। सुरम्य शहर बर्फ से ढकी पर्वत चोटियों और ब्यास नदी द्वारा पोषित हरियाली से घिरा हुआ है। आपकी छुट्टी का मुख्य आकर्षण रोहतांग दर्रे पर बर्फ का आनंद लेना है।

मनाली में करने के लिए चीजें:

- हडिम्बा मंदिर, वन विहार हिमालयन निंगमापा गोम्पा मठ, क्लब हाउस आदि जगहों के दर्शनीय स्थल।
- सोलंग घाटी में साहसिक खेलों में शामिल हों।
- बर्फ का मज़ा लेने के लिए रोहतांग दर्रे पर जाएं।
- ब्यास नदी में रिवर राफ्टिंग करें।
- कुल्लू, मणिकरण गुरुद्वारा, जोगिनी जलप्रपात, अर्जुन गुफा, भृगु झील और वशिष्ठ हॉट-वाटर स्प्रिंग्स की यात्रा करें।
- सेब के बागों में जाएं।
- कैम्पिंग और ट्रेकिंग।

शिमला

भारत में गर्मी का मौसम बिताने के लिए शिमला एक आदर्श स्थान है। हिमाचल प्रदेश में इसे 'हिल स्टेशनों की रानी' कहा जाता है। यहां की जलवायु के कारण ही ब्रिटिश उपनिवेश यहां हर गर्मियों में बसते थे। कई आवास विकल्प हैं, और आश्चर्य है।

शिमला में करने के लिए चीजें:

- कालका से शिमला के लिए टॉय ट्रेन की सवारी करें।
- व्हाइट वाटर राफ्टिंग करें।
- खाने, खरीदारी करने और आनंद लेने के लिए माल रोड के आसपास घूमें।
- मॉल के पास खूबसूरत क्राइस्ट चर्च की सैर करें।
- जाखू हनुमान मंदिर तक ट्रेक करें।
- वाइसरीगल लॉज, क्राइस्ट चर्च आदि की ब्रिटिश वास्तुकला का अन्वेषण करें।
- कुफरी, चैल और मशोबरा की यात्रा, खूबसूरत पहाड़ी पर्यटन स्थल को एक्सप्लोर करें।

दार्जिलिंग

पश्चिम बंगाल में दार्जिलिंग उत्तर पूर्व में लोकप्रिय समर हॉलिडे गेटवे में से एक है। हरी चाय के बागानों से घिरा, पहाड़ी शहर एक आरामदायक गर्मी की छुट्टी के लिए एकदम सही है। प्रकृति और मनुष्य द्वारा बनाए गए सुंदर स्थलों को एक्सप्लोर करें। मठों में तिब्बती जड़ों के बारे में जानें। मनोरंजक व्यवहार, खरीदारी और बहुत कुछ में शामिल हों।

दार्जिलिंग में करने के लिए चीजें:

- पहाड़ी शहर में जाने के लिए टॉय ट्रेन की सवारी करें।
- बतासिया लूप और गोरखा युद्ध स्मारक में आनंद लें।
- हैप्पी वैली टी एस्टेट में चाय बागानों को एक्सप्लोर करें।
- टाइगर हिल से राजसी सूर्योदय देखें।
- पद्मजा नायडू जूलॉजिकल पार्क में वन्यजीवों को एक्सप्लोर करें।
- माल रोड पर खरीदारी करें।

मुन्नार

भारत का अपना देश कहा जाने वाला केरल भारत में लोकप्रिय हॉलिडे डेस्टिनेशन में से एक है। पश्चिमी घाट की हरी-भरी गोद में बसा मुन्नार गर्मी बढ़ने पर एक सुखद पलायन है। अपने खूबसूरत नजारों, चाय के बागानों, अनोखे वनस्पतियों और जीवों, मसालों की सुगंध और सुहावने मौसम के लिए प्रसिद्ध है।

मुन्नार में करने के लिए चीजें:

- चाय बागानों की हरी-भरी सुंदरता का आनंद लें।
- कुंडला झील, इको पॉइंट और एलिफेंट लेक पर जाएं।
- अनामुडी पीक के लिए ट्रेक करें
- टाटा टी म्यूजियम को एक्सप्लोर करें।
- ट्री हाउस में रहें।
- इको पॉइंट तक ट्रेकिंग, माउंटेन बाइकिंग, कुंडला झील में शिकारा की सवारी।
- कार्मेलागिरी हाथी पार्क में हाथी सफारी।

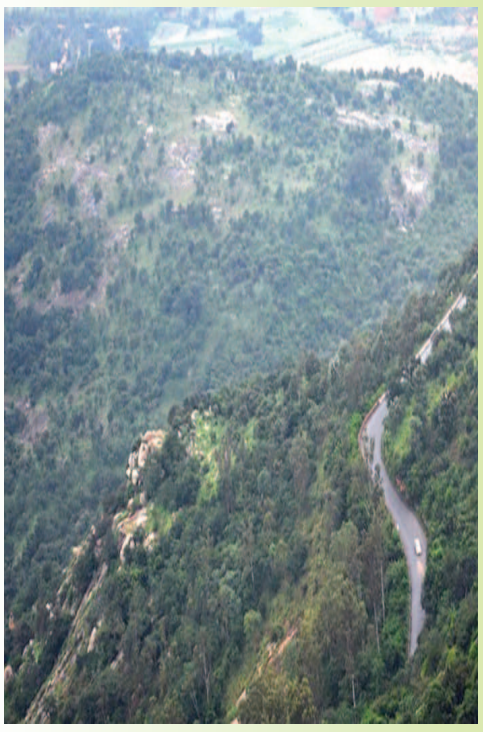

कर्नाटक के कुछ बेहतरीन हिल स्टेशन, एक बार जरूर जाएं घूमने

भारत के दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्र में स्थित खूबसूरत राज्य कर्नाटक अपने हाई-टेक हब, नाइटलाइफ़, भव्य महलों, पुराने मंदिरों और वन्यजीव अभयारण्यों के लिए जाना जाता है। हालांकि, इस राज्य में हरे-भरे वातावरण और शांति प्रदान करते कई हिल स्टेशन भी हैं। जो लोग शहर की भीड़भाड़ से दूर प्रकृति के बीच कुछ शांत समय बिताना चाहते हैं, वह इन हिल स्टेशनों में जा सकते हैं। हरी-भरी पहाड़ियों, झरनों और सुविधाजनक स्थानों से लेकर ऐतिहासिक आकर्षणों और एड्रेनालाईन गतिविधियों तक, कर्नाटक के हिल स्टेशनों में बहुत कुछ है। तो चलिए आज हम आपको कर्नाटक के कुछ बेहतरीन हिल स्टेशनों के बारे में बता रहे हैं-

चिकमगलूर, कर्नाटक

चिकमगलूर चाय और कॉफी के बागानों, दूधिया-सफेद झरनों और खूबसूरत पार्कों से भरपूर है। यहां पर घूमने के लिए लोकप्रिय स्थान हेब्बे फॉल्स, कल्लाथिगिरी फॉल्स, हनुमना गुंडी फॉल्स, भद्रा वन्यजीव अभयारण्य, महात्मा गांधी पार्क, कॉफी संग्रहालय, हिरेकोले झील, कोडंदरामा मंदिर आदि हैं। अगर आप यहां पर हैं तो चाय और कॉफी के बागानों में टहलें, उच्चतम मुल्लायनगिरी चोटी पर जाएँ, क्यातनामक्की में सुंदर दृश्यों का आनंद लें, अमृतेश्वर और विद्याशंकर मंदिर में जाएं।

नंदी हिल्स, कर्नाटक

4849 फीट की ऊंचाई पर स्थित नंदी हिल्स कर्नाटक के सबसे प्रसिद्ध हिल स्टेशनों में से एक है। हरे भरे परिवेश, ट्रेकिंग ट्रेल्स और आश्चर्यजनक दृश्यों के अलावा, इस जगह में कई स्मारकों और मंदिरों के साथ एक लोकप्रिय ऐतिहासिक किला भी है। यहां पर घूमने के लिए लोकप्रिय स्थान टीपू की बूंद, टीपू का ग्रीष्मकालीन निवास, अमृता सरोवर, भोग नंदीश्वर मंदिर, ब्रह्मश्रम, नेहरू निलय, ग्रोवर जम्पा वाइनयार्ड आदि है।

सिरसी, कर्नाटक

घने जंगलों के बीच बसा कर्नाटक का यह आकर्षक हिल स्टेशन, बैंगलोर से एक आदर्श वीकेंड गेटवे है। विविध वन्यजीवों से भरे घने उष्णकटिबंधीय जंगलों से लेकर सुरम्य झरनों और हरी-भरी पहाड़ियों तक, सिरसी की प्राकृतिक सुंदरता आपको मंत्रमुग्ध कर देगी। अगर आप यहां पर हैं तो मुरेगर फॉल्स, शिवगंगा फॉल्स, बुरुड फॉल्स, उंचल्ली फॉल्स, विभूति फॉल्स, मरिकंबा मंदिर, श्री महागणपति मंदिर, गुडवी पक्षी अभयारण्य आदि जगहों को जरूर एक्सप्लोर करें।

माले महादेश्वर या एमएम हिल्स, कर्नाटक

सात पहाड़ी श्रृंखलाओं, एमएम हिल्स समुद्र तल से 3200 फीट की ऊंचाई पर स्थित है और 'स्वयंभू' या स्वयं प्रकट रूप में भगवान शिव के साथ एक प्राचीन मंदिर के लिए प्रसिद्ध है। धार्मिक स्थलों के अलावा, यह स्थान वनस्पतियों और जीवों में समृद्ध है, जो इसे वन्यजीव प्रेमियों और एड्रेनालाईन के दीवाने लोगों के बीच एक लोकप्रिय आकर्षण बनाता है। यहां पर आने वाले हर यात्री को श्री माले महादेश्वर मंदिर, थाला बेट्टा, नागमाले हिल्स आदि जगहों पर जरूर जाएं। साथ ही घने जंगलों में हाथियों और अन्य जानवरों को देखना ना भूलें।

गंगामूला, कर्नाटक

हरे-भरे और घने जंगलों से घिरा गंगामूला उन लोगों के लिए एक आदर्श स्थान है जो प्रकृति की गोद में क्वालिटी टाइम बिताना चाहते हैं। हिल स्टेशन एक धुंधली जलवायु और आश्चर्यजनक परिदृश्य और आकर्षण का आनंद लेता है। यह स्थान तीन महत्वपूर्ण नदियों- तुंगा, भद्रा और नेत्रावती का उद्गम स्थल होने के लिए भी प्रसिद्ध है। यहां पर घूमने के लिए लोकप्रिय स्थानों में हनुमना गुंडी जलप्रपात, श्री अन्नपूर्णेश्वरी मंदिर, सिरिमाने जलप्रपात, गोमतेश्वर प्रतिमा, चतुर्मुख बसदी, श्री वेंकटरमण मंदिर, अंबा तीर्थ आदि शामिल है। अगर आप यहां पर हैं तो कुरिंजल पीक और नरसिम्हा पर्वत के लिए ट्रेक, कुद्रेमुख राष्ट्रीय उद्यान की प्राकृतिक सुंदरता को देखें। भगवती प्रकृति शिविर में प्रकृति की सैर, जीप सफारी और ट्रेकिंग का आनंद लें।

गर्मियों की छुट्टियों में घूमने का प्लान बना रहे हैं तो भूलकर भी इन जगहों पर न जाएं वरना पड़ेगा पछताना

हर साल गर्मियों की छुट्टी में लोग कहीं ना कहीं घूमने जाते हैं। यह एक ऐसा समय होता है जब आप अपने परिवार के साथ अच्छा समय बिताते हैं और खूब मौज मस्ती करते हैं। ऐसे में गर्मियों की छुट्टियों में भारत की कई जगहों पर सैलानियों की भारी भीड़ देखने को मिलती है। लेकिन गर्मियों में कहीं भी घूमने का प्लान बनाने से पहले वहां का तापमान जरूर देख लें। गर्मियों में तेज धूप और लू में कहीं बाहर घूमना किसी सिरदर्द से कम नहीं है। ऐसा में अगर आप किसी ऐसी जगह घूमने का प्लान बना लेते हैं जहां भीषण गर्मी होती है तो आपका समय और पैसा दोनों बर्बाद होंगे। आज के इस लेख में हम आपको बताएंगे कि गर्मियों में कहां जाने से बचना चाहिए -

आगरा, उत्तर प्रदेश

वीकेंड ट्रिप के लिए लोग अक्सर आगरा घूमने का प्लान बनाते हैं। यहाँ पर मौजूद दुनिया के सातवें अजूबे को देखने के लिए दुनियाभर से लोग आते हैं। आगरा में घूमने के लिए और भी कई बेहतरीन जगहें हैं। लेकिन गर्मी में यहाँ घूमना आपके लिए सिरदर्द बन सकता है। दरअसल, गर्मियों के मौसम में आगरा का तापमान बहुत बढ़ जाता है। तेज धूप में संगमरमर से बना ताजमहल भी तपने लगता है और आप कहीं बाहर भी नहीं घूम सकते हैं। इसलिए यहाँ गर्मियों में जाने का प्लान ना ही बनाएं।

जैसलमेर, राजस्थान

राजस्थान का जैसलमेर न केवल भारतीय बल्कि विदेशी पर्यटकों की लिस्ट में भी शामिल है। जैसलमेर को गोल्डन सिटी के नाम से भी जाना जाता है। यहाँ हर साल दुनिया भर से लाखों पर्यटक आते हैं और सफारी का लुफ्त उठाते हैं। खाना की गर्मियों में जिप्सी गिरी शहर में घूमना काफी कठिन हो सकता है। गर्मियों में जैसलमेर का टेंपरेचर 40 डिग्री सेल्सियस के पार चला जाता है। इतनी भीषण गर्मी में जैसलमेर की यात्रा करना अच्छा आइडिया नहीं है।

गोवा

घूमने के शौकीन लोगों की लिस्ट में गोवा का नाम सबसे ऊपर आता है। यहां लोग अपने दोस्त या पार्टनर के साथ मौज मस्ती करने के लिए पहुंचते हैं। यहां के खूबसूरत बीच, नाइटलाइफ और खुला माहौल युवाओं को अपनी ओर आकर्षित करता है। लेकिन गर्मियों के मौसम में गोवा घूमने का प्लान बनाने से पहले एक बार जरूर सोच लें। गर्मियों में तेज धूप में आप ठीक तरह से घूम नहीं पाएंगे और आपके पैसे सिर्फ बर्बाद ही होंगे।

चेन्नई, दक्षिण भारत

दक्षिण भारत का चेन्नई शहर घूमने के लिहाज से बेहतरीन है। यहां कई सारे मंदिर, बीच और अन्य दार्शनिक स्थल हैं। लकी गर्मियों में यहां का पर बहुत अधिक बढ़ जाता है। ऐसे में गर्मियों के मौसम में चेन्नई में घूमना मुश्किल हो जाता है। इसलिए आप गर्मियों में चेन्नई घूमने का प्लान ना ही बनाएं।

बेस्ट के खिलाफ टाटा मोटर्स बंबई उच्च न्यायालय पहुंची

मुंबई । वाहन कंपनी टाटा मोटर्स ने बृहन्मुंबई इलेक्ट्रिक सप्लाई एंड ट्रांसपोर्ट (बेस्ट) की 1,400 इलेक्ट्रिक बसों की निविदा प्रक्रिया से उसे अयोग्य ठहराने को लेकर बंबई उच्च न्यायालय का रुख किया है। न्यायाधीश नितिन साम्ब्रे और न्यायाधीश अनिल पानसरे की अवकाश पीठ ने टाटा मोटर्स की याचिका पर बेस्ट से जवाब देने को कहा है। टाटा मोटर्स का कहना है कि बेस्ट ने उसकी बोली को तकनीकी रूप से गलत ठहराया है, जो सही नहीं है। वाहन विनिर्माता की तरफ से दायर याचिका के अनुसार, बेस्ट ने इस वर्ष 26 फरवरी को दो ई-निविदा निकाली थीं। इसमें मुंबई और उसके आसपास के इलाकों में सार्वजानिक परिवहन को लेकर 1,400 एसी इलेक्ट्रिक बसों के लिए बोलियां मंगाई गई थीं। टाटा मोटर्स ने 25 अप्रैल को अपनी तकनीकी और वित्तीय बोली जमा कर दी थी। हालांकि, छह मई को बेस्ट ने इसे तकनीकी रूप से उचित नहीं ठहराते हुए इसे खारिज कर दिया था। बंबई उच्च न्यायालय इस मामले की अगली सुनवाई 23 मई को करेगा।

प. बंगाल में सड़क परियोजनाओं का ठेका देगा एनएचएआई

कोलकाता । भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) का इरादा चालू वित्त वर्ष में पश्चिम बंगाल के लिए 270 किलोमीटर लंबी सड़क परियोजनाओं का ठेका देने का है। इसकी लागत 25,000 करोड़ रुपए बैठेगी। एनएचएआई की चेयरपर्सन अल्का उपाध्याय ने चार राज्यों के लिए दो दिन की समीक्षा बैठक और शहर में आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम के इतर यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एनएचएआई ने अभी तक पश्चिम बंगाल में 1,201 किलोमीटर लंबे सड़क नेटवर्क का निर्माण पूरा किया है। अभी 356 किलोमीटर की परियोजनाओं का निर्माण कार्य चल रहा है। मौजूदा परियोजनाओं की कुल लागत 13,570 करोड़ रुपए है। उपाध्याय ने कहा कि हमारी योजना 2022-23 में 25,000 करोड़ रुपए की 270 किलोमीटर परियोजनाओं का ठेका देने की है। इससे राज्य में न केवल संपर्क में सुधार होगा बल्कि अर्थव्यवस्था को भी प्रोत्साहन मिलेगा।

गूगल पिक्सल वॉच से उठा दिया पर्दा

-कुछ बेहद पुराने हार्डवेयर के साथ आ सकती है वॉच

नईदिल्ली। गूगल कंपनी ने पिक्सल वॉच के बारे में ज्यादा खुलासा नहीं किया लेकिन इसे लेकर पुष्टि की है। वॉच को इस साल के आखिर में पिक्सल 7 और पिक्सल वॉच 7 प्रो के साथ लॉन्च किया जाएगा। अब, गूगल द्वारा पिक्सल वॉच के पुष्टि करने के कुछ दिनों बाद, एक नई रिपोर्ट ने पिक्सल वॉच के इंटरनल पार्ट के बारे में शेयर किया है। 9टू5 गूगल ने दावा किया है कि आने वाली वॉच कुछ बेहद पुराने और पुराने हार्डवेयर के साथ आ सकती है। रिपोर्ट्स की मानें तो गूगल पिक्सल वॉच में सैमसंग के इक्सीनोस 9110 चिपसेट का इस्तेमाल किया जा सकता हैऐ चिपसेट लगभग चार साल पुराना है क्योंकि 2018 में इक्सीनोस 9110 चिपसेट की शुरुआत हुई थी। पहले, ये अनुमान लगाया गया था कि वॉच इक्सीनोस डब्ल्यू920 के साथ आएगी। हालांकि ये फिलहाल लीक रिपोर्ट में सामने आया है, और गूगल ने ऐसी कोई कंफर्मेशन नहीं दी है। जनवरी 2021 में गूगल के फीटबीट के अधिग्रहण के बंद होने के एक साल से ज्यादा समय बाद ये घोषणा हुई है, जबकि फीटबीट टीम पिक्सल वॉच के डेवलपमेंट पर काम कर रही है। पिक्सल वॉच के विपरीत, जो केवल एंड्राएड होगी, फीटबीट के प्रोडक्ट आईफोन के साथ भी कंपैटिबल हैं। पार्क ने कहा कि कंपनी की फिटबिट प्रोडक्ट पर iOS यूज़र्स के लिए सपोर्ट बंद करने की कोई योजना नहीं है। वॉच में एक गुंबददार राउंड डिज़ाइन है, जो गूगल के वियर ओएस स्मार्टवॉच सॉफ्टवेयर पर काम करता है और इसमें कुछ फीटबीट हेल्थ-ट्रैकिंग फीचर्स भी शामिल हैं। गूगल ने कीमत की घोषणा नहीं की, लेकिन कहा कि इसे एक प्रीमियम प्रोडक्ट के रूप में उपलब्ध कराया जाएगा। मैप्स, वॉलेट और गूगल असिस्टेंट जैसे पॉपुलर गूगल ऐप, पिक्सल वॉच का हिस्सा होंगे। घड़ी में कस्टमाइज़ बैंड्स और टैक्टाइल क्राउन मिलेंगे जैसा कि एप्पल वॉच पर पाया जाता है।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुंबई ।

मुम्बई शेयर बाजार बुधवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। बाजार में यह गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी होने के कारण आई है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 109.94 अंक करीब 0.20 फीसदी नीचे आकर 54,208.53 अंक तक खिसक गया जबकि एक समय यह 54,786 अंक के उच्चस्तर तक पहुंचा और 54,130.89 अंक के निचले स्तर तक गया। वहीं पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 19 अंक तकरीबन 0.12 फीसदी नीचे आकर 16,240.30 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में पावरग्रिड, टेक महिंद्रा, भारतीय स्टेट बैंक, भारती एयरटेल, लार्सन एंड टुब्रो, बजाज फिनसर्व, विप्रो, एनटीपीसी और एचसीएल टेक्नोलॉजीज के शेयर नीचे आये। वहीं दूसरी ओर अल्ट्राटेक सीमेंट, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एशियन पेंट्स, सन फार्मा, आईटीसी और एक्सिस बैंक के शेयरों को लाभ हुआ। एफएमसीजी और फार्मा क्षेत्रों में खरीदारी हावी रही जबकि बैंक, कैपिटल गुड्स, रियल्टी, आईटी, मेटल, पीएसयू बैंक और ऑयल व गैस के क्षेत्र में बिकवाली रही। बीएसई मिडकैप इंडेक्स सपाट बंद हुआ था जबकि स्मॉल कैप 0.3 फीसदी ऊपर आया। रुपया भी आज लगभग फ्लैट नोट पर ही बंद हुआ. डॉलर के मुकाबले यह 77.58 पर क्लोज हुआ जबकि मंगलवार को 77.58 पर बंद हुआ था. बाजार जानकारों के अनुसार विदेशी निवेशकों की भारी बिकवाली और ब्याज दरों में वृद्धि से विकास दर पर पड़ने वाले विपरीत प्रभाव की वजह से भी निवेशकों में मन में डर का माहौल है। उससे भी बाजार में नकारात्मक माहौल बना। एशियाई बाजारों में हांगकांग का हैंगसेंग, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और जापान का निक्की ऊपर आया जबकि चीन के शंघाई कंपोजिट में गिरावट आई। यूरोपीय शेयर बाजार में मिला-जुला कारोबार दर्ज किया गया जबकि मंगलवार को अमेरिकी बाजारों में तेजी रही।

स्टेलांटिस अगले साल भारतीय बाजार में उतारेगी पहला इलेक्ट्रिक वाहन

चेन्नई । वैश्विक ऑटोमोटिव समूह स्टेलांटिस अगले वर्ष भारतीय बाजार में सिट्रोन ब्रांड के तहत अपना पहला इलेक्ट्रिक वाहन उतारेगा। ऐसा अनुमान है कि 2030 तक कंपनी की कुल बिक्री में से 30 फीसदी बिजली चालित वाहनों की होगी। कंपनी के एक अ धिकारी ने यह जानकारी दी। यह समूह इतावली-अमेरिकी कंपनी फिएट क्रिस्लर ऑटोमोबाइल्स तथा फ्रांस के पीएसए समूह को मिलाकर बना है। समूह की भारत के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों की योजना के बारे में अ धिकारी ने कहा कि हमारा पहला बिजली चालित वाहन अगले वर्ष आएगा। भारत में इस कंपनी के दो ब्रांड के तहत वाहन आते हैं जिनमें है जीप और सिट्रोन। उन्होंने कहा कि विशेषकर भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों को सिट्रोन ब्रांड के तहत उतारा जाएगा। उनसे पूछा गया कि भविष्य में भारत में कुल बिक्री में इलेक्ट्रिक वाहनों की हिस्सेदारी कितनी हो सकती है? इस पर तावारेस ने कहा कि 2025 तक यह पांच से दस फीसदी हो सकती है और दशक के आ खिरी तक 25 से 30 फीसदी तक।

भारत में मोटो जी 82 5जी जल्द होगा लॉन्च

-कंपनी ने अपने एक ब्लॉग पोस्ट में दी जानकारी

नईदिल्ली । मोटोरोला जी82 5जी को यूरोप के कुछ बाजारों में पेश कर दिया गया है, और अब पता चला है कि इसे जल्द इंडिया में लॉन्च किया जाएगा। कंपनी ने अपने एक ब्लॉग पोस्ट में यह जानकारी दी है। रिपोर्ट के मुताबिक कंपनी इस फोन को इस महीने के आखिर में या फिर जून के शुरुआत में पेश कर सकती है, हालांकि लॉन्च डेट की तारीख के बारे में नहीं मालूम हुआ है। जैसा कि फोन पहले ही लॉन्च हो चुका है इस फोन के फीचर्स की जानकारी सामने आ गई है, और बता दें कि ये फोन मोटोरोला जी52 का अपग्रेडेड वर्जन है, जिसे हाल में लॉन्च किया गया था। इस फोन की सबसे खास बात इसका 120एचझेड ओलेड डिस्प्ले, ओआईएस के साथ 50 मेगापिक्सल रियर कैमरा और 30डब्ल्यू फास्ट चार्जिंग सपोर्ट है।नए मोटो जी 82 5जी की कीमत ईयूआर 329.99 है, जो लगभग 26,600 रुपये है। कंपनी द्वारा आधिकारिक तौर पर डिवाइस लॉन्च करने के बाद इसकी भारतीय कीमत का खुलासा किया जाएगा। मोटोरोला मोटो जी82 5जी के लिए भी ओलेड पैनल का इस्तेमाल किया गया है जिसे मोटो जी52 और मोटोरोला इग 30 पर देखा था। ये फोन 6.6 इंच के फुल एचडी+ रेजोलूशन डिस्प्ले और 120 हर्ट्ज़ रिफ्रेश रेट के साथ आता है। मोटोरोला का ये भी कहना है कि पैनल 100 फीसदी डीसीआई-पी3 गैमुट कवरेज प्रदान करता है।कंपनी थिंकशील्ड सुरक्षा के साथ एड्राएंड 12 एक्सपीरिएंस का भी वादा करती है। बैक पैनल में एक राउंड शेप के आकार का मॉड्यूल शामिल है जिसमें ऑप्टिकल इमेज स्टेबिलाइज़ेशन के साथ 50-मेगापिक्सल का रियर कैमरा सेंसर है। इसके साथ 8-मेगापिक्सल का अल्ट्रा-वाइड शूटर 118-डिग्री एफओवी और 2एमपी मैक्रो स्नैपर के साथ है। फोन में सेल्फी के लिए 16 मेगापिक्सल का कैमरा दिया गया है। ये फोन स्नैपड्रैगन 695 चिपसेट को 6जीबी रैम और 128जीबी स्टोरेज के साथ पेश किया गया है, जिसे माइक्रो एसडी कार्ड के ज़रिए बढ़ाया जा सकता है।

चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 12-13 फीसदी की दर से बढ़ेगी अर्थव्यवस्था: रेटिंग एजेंसी

रेटिंग एजेंसी ने 2022-23 के लिए जीडीपी की वृद्धि दर के 7.2 प्रतिशत के अनुमान को बरकरार रखा

मुंबई ।

रेटिंग एजेंसी इक्रा का कहना है कि चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में भारतीय अर्थव्यवस्था 12 से 13 प्रतिशत की दर से बढ सकती है। इक्रा ने अप्रैल में कारोबार गतिविधि सूचकांक 13 माह के दूसरे सर्वोच्च स्तर पर होने का जिक्र करते हुए कहा कि पहली तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर काफी अच्छी रह सकती है। हालांकि, इक्रा ने वित्त वर्ष 2022-23 के लिए जीडीपी की वृद्धि दर के 7.2 प्रतिशत के अनुमान को बरकरार रखा है। इसके पीछे बढ़ती मुद्रास्फीति एवं नीतिगत ब्याज दरों में बढ़ोतरी जैसे कारण हैं। इक्रा की एक अर्थशास्त्री ने कहा कि अप्रैल महीने के लिए हमारा कारोबार गतिविधि सूचकांक यह संकेत देता है कि एक साल पहले और कोविड-पूर्व स्तर की तुलना में गतिविधियां करीब 16 प्रतिशत अधिक रही हैं। उन्होंने कहा कि तीव्र वृद्धि का सिलसिला मई में भी कायम रह सकता है। इस तरह वित्त वर्ष 2022-23 की पहली तिमाही में जीडीपी वृद्धि दहाई अंकों में रहते हुए 12-13 प्रतिशत तक रहनी चाहिए। हालांकि, यह तीव्र वृद्धि आगे बनी नहीं रह पाएगी और मात्रा एवं संख्या के लिहाज से सालाना वृद्धि मध्यम रह सकती है। उनका मानना है कि लागत बढ़ने से सकल मूल्य संवर्द्धन (जीवीए) वृद्धि दर इकाई अंक में ही बनी रह सकती है। यही कारण है कि हमने वर्ष 2022-23 के लिए जीडीपी वृद्धि के अनुमान को 7.2 प्रतिशत पर ही बरकरार रखा है। मुद्रास्फीति एवं वृद्धि के लिए सबसे बड़ा जोखिम ईंधन की बढ़ती कीमतें एवं यूक्रेन संकट का संभावित असर हैं। अगर रूस एवं यूक्रेन के बीच छिड़ा युद्ध जल्दी थमता नहीं है, तो इसका प्रभाव अनुमान से कहीं ज्यादा होगा। रिजर्व बैंक जून एवं अगस्त में होने वाली अगली दो द्विमासिक समीक्षा में नीतिगत दरों में 0.25-0.25 प्रतिशत की बढ़ोतरी कर सकता है। वहीं रिजर्व बैंक का भावी कदम युद्ध की दिशा एवं जिंस कीमतों पर इसके असर से तय होगा।

विशेषज्ञों ने पीएम मोदी के 5जी रोडमैप की सराहना की, मोबाइल निर्माण पर दिया जोर

नई दिल्ली।

प्रौद्योगिकी उद्योग के विशेषज्ञों ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा स्व-निर्मित 5जी टेस्ट बेड के शुभारंभ का स्वागत करते हुए कहा कि 5जी की परिवर्तनकारी शक्ति उद्योगों और क्षेत्रों में देश के आर्थिक विकास को एक महत्वपूर्ण बल प्रदान करेगी।भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने 5जी के रूप में एक स्वदेशी 5जी टेस्ट बेड राष्ट्र को समर्पित किया। सीएमआर में इंडस्ट्री इंटेलिजेंस ग्रुप (आईआईजी) के प्रमुख प्रभु राम ने आईएएनएस से कहा, भारत के पहले 5जी टेस्ट बेड का लॉन्च अगली पीढ़ी की प्रौद्योगिकियों में नवाचार (इनोवेशन) के आसपास केंद्रित एक पारिस्थितिकी तंत्र (इकोसिस्टम) को बढ़ावा देगा। स्टार्ट-अप अब 5जी नेटवर्क में स्थानीय स्तर पर अपने तकनीकी प्रोटोटाइप, उत्पादों और समाधानों का परीक्षण और सत्यापन करने में सक्षम होंगे। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि 5जी प्रौद्योगिकी शासन को सुगम बनाएगी और कई क्षेत्रों में व्यापार करने में आसानी में सकारात्मक बदलाव करेगी, जिससे कई क्षेत्रों में अधिक रोजगार सृजित होंगे। काउंटरप्वाइंट रिसर्च के शोध निदेशक तरुण पाठक के अनुसार, यह साबित करता है कि 5जी जैसी उभरती और नवीनतम तकनीक में स्वदेशीकरण संभव है। पाठक ने आईएएनएस से कहा, इससे स्थानीय प्रतिभाओं को बढ़ावा मिलना चाहिए और उभरती प्रौद्योगिकियों में भारत की छवि को और समर्थन और मजबूती मिलनी चाहिए, जो एक मजबूत 5जी पारिस्थितिकी तंत्र पर बनाया जाएगा। मोदी ने कहा कि 2जी युग निराशा, भ्रष्टाचार और नीतिगत पक्षाघात से भरा था। उन्होंने कहा, 2जी काल की निराशा, हताशा, करप्शन, पॉलिसी पैरालिसिस से बाहर निकलकर देश ने 3जी से 4जी और अब 5जी और 6जी की तरफ तेजी से कदम बढ़ाए हैं। अब हम 5जी तकनीक का परीक्षण कर रहे हैं, जिसे संचार मंत्रालय, चेन्नई और दिल्ली में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान द्वारा विकसित किया गया है। टेलीकॉम सेक्टर स्किल काउंसिल के सीईओ अरविंद बाली ने कहा कि नई तकनीक और बुनियादी ढांचे को अपनाने के लिए कौशल के साथ-साथ कर्मचारियों की स्किलिंग/अपस्किलिंग यह सुनिश्चित करेगी कि 5जी सेवाओं के लाइव होने पर मानव संसाधन की पर्याप्त आवश्यकता हो। बाली ने कहा, हम सभी हितधारकों के साथ, पहले से ही नए जमाने की प्रौद्योगिकियों में कार्यबल का प्रशिक्षण चला रहे हैं और 5जी प्रौद्योगिकी पर एकीकृत क्रेडिट ढांचे के साथ एनएसक्यूएफ-सरेखित पाठ्यक्रम विकसित किए गए हैं, जिन्हें समय आने पर प्रशिक्षित प्रतिभा बल में इस विशाल आगामी मांग को पूरा करने के लिए विश्वविद्यालयों और संस्थानों में मान्यता दी जाएगी। घरेलू विनिर्माण पर जोर देते हुए मोदी ने यह भी कहा कि मोबाइल विनिर्माण इकाइयां 2014 में सिर्फ दो से बढ़कर देश में 200 से अधिक हो गई हैं। विशेषज्ञों ने कहा कि अगली चुनौती वास्तविक स्थानीय मूल्यवर्धन को बढ़ावा देना है। पाठक ने कहा, यह एक मजबूत नियामक और नीतिगत वातावरण और प्रदर्शन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना द्वारा संचालित होगा।

प्रभुराम ने कहा कि भारत में मोबाइल निर्माण मेक इन इंडिया मिशन की एक प्रभावशाली सफलता की कहानी रही है। उन्होंने आगे कहा, भारत में आज मोबाइल उत्पादन न केवल बढ़ती घरेलू डिजिटल अर्थव्यवस्था, बल्कि दुनिया भर के विकसित बाजारों को भी पूरा करता है।

घरेलू स्तर पर मूल्यवर्धन में वृद्धि के साथ, भारत अब धीरे-धीरे ग्लोबल वैल्यू चेन का एक अभिन्न अंग बन रहा है।

सरकार ने अप्रेल जीएसटी भुगतान की तारीख 24 मई तक बढ़ाई

नई दिल्ली ।

करदाताओं को जीएसटी पोर्टल पर तकनीकी गड़बड़ियों का सामना करने की वजह से अप्रैल जीएसटी भुगतान की तारीख को बढ़ाकर 24 मई कर दी है। सरकार ने इंफोसिस से इस समस्या के जल्द समाधान के लिए भी कहा है। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने देर रात ट्वीट में कहा कि अप्रैल 2022 के महीने के लिए फॉर्म जीएसटीआर-3बी दाखिल करने की देय तारीख 24 मई तक बढ़ा दी गई है। इससे पहले मंगलवार को दिन में सीबीआईसी ने कहा था कि इंफोसिस द्वारा अप्रैल जीएसटीआर-3बी और पोर्टल पर जीएसटीआर-3बी की ऑटो-पॉपुलेशन में एक तकनीकी गड़बड़ी की सूचना दी गई है। सीबीआईसी ने ट्वीट किया कि इन्फोसिस को सरकार ने जल्द समाधान के लिए निर्देशित किया है। तकनीकी टीम जीएसटीआर-2बी मुहैया कराने और ऑटो-पॉप्युलेटेड जीएसटीआर-3बी को जल्द से जल्द ठीक करने के लिए काम कर रही है। जीएसटीआर-2बी एक ऑटो-ड्राफ्टेड इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) स्टेटमेंट है जो प्रत्येक जीएसटी पंजीकृत इकाई के लिए उनके आपूर्तिकर्ताओं द्वारा उनके संबंधित बिक्री रिटर्न फॉर्म जीएसटीआर-1 में दी गई जानकारी के आधार पर उपलब्ध होती है। जीएसटीआर-2बी स्टेटमेंट आमतौर पर व्यवसायों को अगले महीने के 12वें दिन उपलब्ध कराया जाता है, जिसके आधार पर वह करों का भुगतान और जीएसटीआर-3बी दाखिल करते समय आईटीसवी का दावा कर सकते हैं।

अगले सप्ताह डॉट मंत्रिमंडल को भेज सकता है 5जी स्पेक्ट्रम नीलामी का प्रस्ताव

नई दिल्ली ।

दूरसंचार विभाग (डॉट) अगले सप्ताह 5जी स्पेक्ट्रम नीलामी के प्रस्ताव को मंजूरी के लिए केंद्रीय मंत्रिमंडल के पास भेज सकता है। जानकारी के मुताबिक डिजिटल संचार आयोग (डीसीसी) ने भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) की तरफ से सुझाए गए आधार मूल्य को अंतिम रूप दे दिया है। अधिकारी ने कहा कि डीसीसी ने अपने विचार को मजबूत किया है। यह निर्णय लेने वाली संस्था नहीं है। यह नीलामी योजना को अंतिम मंजूरी के लिए मंत्रिमंडल को सिफारिश देगी। ट्राई ने जिस आधार मूल्य की सिफारिश की है, उसमें कोई बदलाव नहीं है। दूरसंचार कंपनियों ने हालांकि ट्राई की तरफ से सुझाए गए आधार मूल्य का विरोध किया है। डीसीसी ने 27.5-28.5 गीगाहट्ज़ के बीच स्पेक्ट्रम फ्रीक्वेंसी की नीलामी नहीं करने और इसे उपग्रह सेवाओं के लिए छोड़ने का फैसला किया है। गौरतलब है कि ट्राई ने इस फ्रीक्वेंसी रेंज के लिए एक आधार मूल्य की सिफारिश की थी और सुझाव दिया था कि इसका उपयोग मोबाइल और उपग्रह सेवाओं दोनों के लिए किया जा सकता है।

आईओसी का मुनाफा 31 प्रतिशत घटा, 2021-22 में रिकॉर्ड लाभ हुआ

नई दिल्ली । इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) का बीते वित्त वर्ष की चौथी (जनवरी-मार्च) तिमाही के मुनाफे में 31.4 प्रतिशत की गिरावट आई है। कंपनी ने बताया कि पेट्रोरसायन कारोबार में मार्जिन घटने और वाहन ईंधन की बिक्री पर नुकसान के कारण ऐसा हुआ। कंपनी ने जनवरी-मार्च में 6,021.88 करोड़ रुपए का लाभ दर्ज किया। एक साल पहले इसी अवधि में यह आंकड़ा 8,781.30 करोड़ रुपए था। हालांकि, मुनाफा इससे पिछली तिमाही के 5,860.80 करोड़ रुपए के मुकाबले अधिक रहा। तेल कीमतों में उछाल के साथ परिचालन आय मार्च तिमाही में बढ़कर 2.06 लाख करोड़ रुपए हो गई, जो पिछले साल की इसी अवधि में 1.63 लाख करोड़ रुपए थी। कंपनी के बोर्ड ने 1:2 के अनुपात में बोनस शेयर जारी करने की सिफारिश की है। इसके तहत प्रत्येक दो मौजूदा इक्विटी शेयरों के लिए 10 रुपए अंकित मूल्य का एक नया बोनस शेयर दिया जाएगा। बोर्ड ने 3.60 रुपए प्रति इक्विटी शेयर का अंतिम लाभांश (बोनस से पहले) भी घोषित किया। कंपनी ने पूरे वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान रिकॉर्ड 30,443.93 करोड़ रुपए का लाभ दर्ज किया, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 15 प्रतिशत अधिक है। कंपनी ने बताया कि वित्त वर्ष 2021-22 के लिए उसने एकल आधार पर 7.28 लाख करोड़ रुपए की आय अर्जित की है, जो अन्य भारतीय कंपनियों की तुलना में सबसे अधिक है। आईओसी ने कहा सीपीसीएल जैसी अनुषंगी कंपनियों की कमाई को शामिल करने के बाद कंपनी की आय 7.36 लाख करोड़ रुपए है। इससे पहले रिलायंस इंडस्ट्रीज ने इसी महीने 2021-22 में 7.92 लाख करोड़ रुपए के राजस्व की जानकारी दी थी। यह किसी भारतीय कंपनी का सबसे ऊंचा राजस्व है। लेकिन इसमें जीएसटी भी शामिल है जो कंपनी ने उत्पादों की बिक्री पर सरकार की ओर से जुटाया है। इसे सरकार को स्थानांतरित किया जाना है। आईओसी की आमदनी में जीएसटी शामिल नहीं है।

एसएंडपी ने भारत का वृद्धि पूर्वानुमान कम कर 7.3 फीसदी किया

नई दिल्ली ।

बढ़ती मुद्रास्फीति और रूस तथा यूक्रेन के बीच लंबी खिंचती लड़ाई के मद्देनजर वैश्विक रेटिंग एजेंसी एसएंडपी ने चालू वित्त वर्ष के लिए भारत की वृद्धि के पूर्वानुमान को पहले के 7.8 फीसदी से घटाकर 7.3 फीसदी कर दिया है। एसएंडपी ने अपनी ग्लोबल मेक्रो अपडेट टू ग्रोथ फोरकास्ट्स में कहा कि मुद्रास्फीति का लंबे समय तक ऊंचे स्तर पर बना रहना चिंता का विषय है, ऐसे में केंद्रीय बैंकों को दरों में वृद्धि करना पड़ती है और उत्पादन तथा रोजगार पर बुरा असर पड़ता है। पिछले वर्ष दिसंबर में इस रेटिंग एजेंसी ने 2022-23 के लिए भारत की जीडीपी वृद्धि का अनुमान 7.8 फीसदी लगाया था। अब इसे चालू वित्त वर्ष (2022-23) में घटाकर 7.3 फीसदी कर दिया गया है। अगले वित्त वर्ष के लिए 6.5 फीसदी वृद्धि का अनुमान जताया गया है। एसएंडपी ने कहा कि पिछले पूर्वानुमान के बाद से हमारे पूर्वानुमान के प्रति जोखिम बढ़ गया है और यह मजबूती से नीचे की ओर बना हुआ है। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध लंबा खिंचने की आशंका है जिससे जोखिम बढ़ा है।

अनुमान है कि 2021-22 में भारत की जीडीपी वृद्धि 8.9 फीसदी रही। एसएंडपी के मुताबिक चालू वित्त वर्ष में खुदरा मुद्रास्फीति 6.9 फीसदी रह सकती है। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध तथा जिंसों की बढ़ती कीमतों के कारण कई वैश्विक एजेंसियों ने भारत की वृद्धि का पूर्वानुमान घटाया है। विश्व बैंक ने अप्रैल में भारत की जीडीपी का पूर्वानुमान 8.7 फीसदी से घटाकर 8 फीसदी कर दिया था जबकि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने 9 फीसदी से घटाकर 8.2 फीसदी और एशियाई विकास बैंक ने 7.5 फीसदी वृद्धि का अनुमान जताया था। वहीं भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने पिछले महीने वृद्धि पूर्वानुमान 7.8 फीसदी से घटाकर 7.2 फीसदी कर दिया था।

बड़े खिलाड़ियों को भी गुजरना पड़ा है खराब दौर से :ईशान

मुंबई । मुम्बई इंडिया के युवा सलामी बल्लेबाज ईशान किशन अपने खराब फार्म को लेकर परेशान नहीं हैं। आईपीएल नीलामी में ईशान को बड़ी रकम में टीम ने खरीदा था पर वह उसपर खरे नहीं उतरे हैं। ईशान का मानना है कि बड़े खिलाड़ियों को भी कभी ना कभी खराब दौर से गुजरना पड़ा है , इसलिए वह भी अपना फार्म हासिल कर लेंगे। मुंबई ने आईपीएल के इस 15 वें सत्र के लिए ईशान को 15 करोड़ 25 लाख रुपये में खरीदा था पर वह 13 मैचों में 30 . 83 के औसत से केवल 370 रन ही बना पाये। इसी कारण मुंबई लगातार आठ हार के कारण प्लेऑफ में भी नहीं पहुंच पायी है। ईशान ने कहा , 'मैंने क्रिस गेल जैसे बल्लेबाज को भी जमने में समय लेते देखा है। हर दिन नया है और हर मैच नया है। कई बार अच्छी शुरुआत मिलती है और कई बार विरोधी गेंदबाज बेहतर तैयारी के साथ उतरते है ।बाहर जो लोग चाहते हैं, ड्रेसिंग रूम के भीतर की रणनीति उससे अलग होती है।' उन्होंने साथ ही कहा, 'कभी यह तय नहीं होता कि आपकी एक ही भूमिका रहेगी और आप मैदान पर उतरते ही आक्रामक बल्लेबाजी करने लगेंगे। यदि आप टीम के बारे में सोचें तो अपनी भूमिका स्पष्ट होनी चाहिये।

प्लेऑफ की उम्मीदें बरकरार रखने गुजरात टाइटंस पर जीत के इरादे से उतरेगी आरसीबी

मुंबई ।

गुजरात टाइटंस आईपीएल के 15 वें सत्र में अपने अंतिम लीग मैच में गुरुवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) से खेलेगी। गुजराज की टीम पहले ही प्लेऑफ में पहुंच गयी है , ऐसे में इस मैच के परिणाम से उसपर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा लेकिन अपनी लय बनाये रखने वह इस मैच में भी जीत के इरादे से उतरेगी। गुजरात की टीम अबतक 13 मैचों में 20 अंक लेकर अंक तालिक में पहले स्थान पर है। वहीं दूसरी ओर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) को प्लेऑफ में जगह बनाने इस मैच को किसी भी हाल में बड़े अंतर से जीतना होगा। आरसीबी को अब तक 13 में से सात मैचों में जीत मिली है जबकि वह छह मैच हारी है इस प्रकार उसके 13 मैचों में 14 अंक हैं और वह पांचवें स्थान पर है। आरसीबी का रन औसत माइनस 0.323 है जिसका उसे नुकसान उठाना उठाना पड़ सकता है। गुजरात के खिलाफ अगर वह जीतती है तो भी उसके 16 अंक होंगे ऐसे में उसे माइनस नेट रनरेट के कारण प्लेऑफ में शायद ही जगह मिल पाये क्योंकि प्लेऑफ के अन्य दावेदारी का रन रेट अच्छा है। दिल्ली कैपिटल्स अभी चौथे स्थान पर है और आखिरी मैच में मुंबई इंडियंस को हराकर वह भी 16 अंक पर आ सकती है। उसका रनरेट भी आरसीबी से प्लस 0.255 है जिससे दोनो ही टीमों के बराबर अंक होने पर उसे प्रवेश मिल जाएगा। नई टीम गुजरात टाइटंस ने इस सत्र में बेहतरीन बल्लेबाजी ओर गेंदबाजी का प्रदर्शन किया है ऐसे में आरसीबी के खिलाफ होने वाले मैच में वह जीत की प्रबल दावेदार मानी जा रही है। वहीं आरसीबी को पिछले मैच में पंजाब किंग्स के हाथों हार का सामना करना पड़ा था जिससे उसका मनोबल कम हुआ है। टीम के प्रमुख बल्लेबाज विराट कोहली इस सत्र में अब तक बड़ी पारी नहीं खेल पाये हैं ऐसे में रन बनाने की जिम्मेदारी कप्तान फाफ डु प्लेसी, महिपाल लोमरोर और दिनेश कार्तिक पर रहेगी। इन बल्लेबाजों के प्रदर्शन में भी निरंतरता नहीं रही है जिसको नुकसान आसीबी को उठाना पड़ सकता है। इसके अलावा ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल और रजत पाटीदार भी अच्छी शुरूआत का लाभ नहीं उठा पाये हैं। वहीं गेंदबाजी में स्पिनर हर्षल पटेल और वानिंदु हसरंगा ने अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है पर इन्हें अन्य गेंदबाजों से सहयोग नहीं मिला है। वहीं तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड और मोहम्मद सिराज की गेंदबाजी में लय की कमी रही है ओर ये दोनो ही विरोधी बल्लेबाजों पर अंकुश नहीं लगा पाये हैं। जहां तक गुजरात की बात है बल्लेबाजी में टीम को कप्तान हार्दिक पांड्या के अलावा डेविड मिलर , राहुल तेवतिया , रिधिमान साहा और शुभमन गिल से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीदें रहेगी।

माता-पिता बच्चों के खेलने पर ध्यान दें तो निकलेंगे चैम्पियन खिलाड़ी : कपिल

न्यूयॉर्क ।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव ने कहा है कि जिस दिन से भारत में माता-पिता बच्चों के खेलने पर अधिक ध्यान देने लगे। उसी समय से भारत में भी सभी खेलों में चैम्पियन खिलाड़ी निकलने लगेंगे। कपिल ने माना कि पिछले कुछ समय के अंदर खेलों के प्रति हालात बदले हैं और अब अभिभावक अपने बच्चों को खिलाड़ी बनाने के लिए सामने आने लगे हैं। उसी का परिणाम है कि आज भारत हर प्रकार की खेल स्पर्धाओं में आगे बढ़ रहा है। कपिल ने कहा कि जो भी बदलाव आ रहा है उसमें माता-पिता की ही अहम भूमिका है बच्चों की नहीं। उन्होंने कहा, ' हमारे देश से काफी डॉक्टर, वैज्ञानिक और इंजीनियर निकलते हैं क्योंकि उनके माता-पिता उन्हें ये बनाना चाहते हैं। जिस दिन से माता-पिता अपने बच्चों से खिलाड़ी बनाने की चाहत करने लगेंगे, उसी दिन से हमारे देश से भी हर खेल के चैम्पियन निकलने शुरु हो जाएंगे।' कपिल यहां न्यूयॉर्क में भारतीय वाणिज्यिक दूतावास द्वारा देश की आजादी के 75 साल पूरे होने के अवसर पर आयोजित 'आजादी का अमृत महोत्सव' कार्यक्रम में अतिथि के तौर पर शामिल हुए थे। इस मौके पर प्रवासी भारतीय और क्रिकेट प्रशंसक मौजूद थे।

मुक्केबाज निकहत जरीन विश्व चैम्पियनशिप के फाइनल में पहुंची

नई दिल्ली : भारतीय मुक्केबाज निकहत जरीन ने बुधवार को इस्तांबुल में ब्राजील की कैरोलिन डि एलमेडा पर दबदबे भरी जीत से विश्व मुक्केबाजी चैम्पियनशिप के फाइनल में जगह बनाई। पूर्व जूनियर विश्व चैम्पियन जरीन मुकाबले के दौरान संयमित बनी रहीं और अपनी प्रतद्वंद्वी पर पूरी तरह दबदबा बनाए रखा जिससे वह 52 किग्रा वर्ग के मुकाबले में सर्वसम्मत फैसले में 5-0 से जीत दर्ज करने में सफल रहीं। छह बार की विश्व चैम्पियन एमसी मैरीकॉम, सरिता देवी, जेनी आरएल और लेखा सी ऐसी भारतीय महिला मुक्केबाज हैं जिन्होंने विश्व खिताब अपने नाम किये हैं। अब हैदराबाद की मुक्केबाज जरीन के पास भी इस सूची में शामिल होने का मौका है। भारत का इस प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2006 में रहा है जब देश ने चार स्वर्ण, एक रजत और तीन कांस्य सहित आठ पदक जीते थे। पिछले चरण में चार भारतीय मुक्केबाज पदक के साथ लौंटी थीं जिसमें मंजू रानी ने रजत पदक जीता था जबकि मैरीकॉम ने कांस्य पदक के रूप में आठवां विश्व पदक अपने नाम किया था। अब मनीषा मौन (57 किग्रा) और परवीन हुड्डा (63 किग्रा) अपने वर्ग के सेमीफाइनल के लिए रिंग में उतरेंगी।

दक्षिण अफ्रीका, आयरलैंड के खिलाफ सीरीज के लिए लक्ष्मण बनाये जा सकते हैं कोच

मुम्बई ।

भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर वीवीएस लक्ष्मण अगले माह 9 जून से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुरु हो रही टी20 घरेलू सीरीज और आयरलैंड के खिलाफ दो मैचों की सीरीज के लिए कोच बनाये जा सकते हैं। माना जा रहा है कि बीसीसीआई दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू सीरीज व इंग्लैंड दौरे के लिए दो अलग-अलग टीमों का चयन करेगी। ऐसे में मुख्य कोच राहुल द्रविड़ टेस्ट टीम के साथ इंग्लैंड दौरे पर जाएंगे जबकि वीवीएस लक्ष्मण दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ और आयरलैंड के खिलाफ दो मैचों की टी20 सीरीज के लिए कोच बनाये जा सकते हैं।

बीसीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा, ' हमें बर्मिंघम टेस्ट से पहले 24 जून को लीस्टरशायर के खिलाफ अभ्यास मैच खेलना है। द्रविड़ 15 या 16 जून को टीम के साथ रवाना होंगे। ऐसे में लक्ष्मण को भारत और दक्षिण अफ्रीका टी20 सीरीज और आयरलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में कोच बनने के लिए कहा जाएगा।' यह भी कहा जा रहा है कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू टी20 सीरीज में सीनियर खिलाड़ियों को आराम दिया जाएगा क्योंकि आगामी टी20 विश्व कप को देखते हुए चयन समिति युवाओं को अवसर देना चाहती है। इस सीरीज में लंबे समय से बाहर चल रहे दिनेश कार्तिक और हार्दिक पंडया को भी अवसर दिया जा सकता है। वहीं अनुभवी शिखर धवन को टीम की कप्तानी मिली सकती है। अनुभवी रोहित शर्मा, विराट कोहली, लोकेश राहुल, जसप्रीत बुमराह और विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आराम दिया जा सकता है। ये सभी खिलाड़ी इंग्लैंड दौरे के लिए रवाना होंगे। वहीं घरेलू टी20 सीरीज में सलामी बल्लेबाज ऋतुराज गायकवाड़, ईशान किशन, तेज गेंदबाज उमरान मलिक और जितेश शर्मा को अवसर मिल सकता है।

संक्षिप्त समाचार

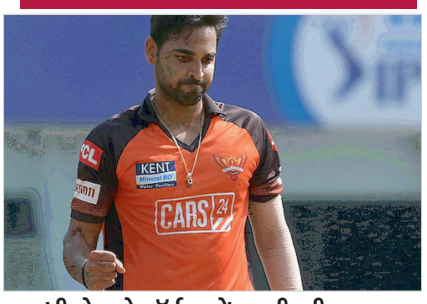

बाउंड्री रोकने यॉर्कर गेंदबाजी की : भुवनेश्वर

मुम्बई । सनराइजर्स हैदराबाद को आईपीएल के 65वें अहम लीग मुकाबले में जीत दिलाने वाले तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने इस मैच में मुंबई इंडियंस के बल्लेबाजों को कोई मौका नहीं दिया। इस जीत के साथ ही हैदराबाद के प्लेऑफ में पहुंचने की संभावनाएं बरकरार हैं। इस मैच में भुवनेश्वर ने पारी का 19वां ओवर मेडन किया। उन्होंने अपने चौथे और अंतिम ओवर में बिना कोई रन दिये एक विकेट भी लिया। भुवनेश्वर के इसी ओवर के कारण उनकी टीम को जीत मिली। भुवनेश्वर ने बाद में कहा कि 19वें ओवर में उनकी योजना केवल यॉर्कर गेंद फेंकने की थी ताकि कोई बाउंड्री न जाये। इस मैच में हैदराबाद ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 6 विकेट पर 193 रन बनाए। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए मुंबई इंडियंस टीम की टीम टिम डेविड के 46 और विकेटकीपर ईशान किशन के 43 रनों के बाद भी सात विकेट पर 190 रन ही बना पायी। हैदराबाद की ओर से युवा तेज गेंदबाज उमरान मलिक ने सबसे ज्यादा तीन विकेट लिए। भुवी ने कहा, '19वें ओवर में मैं केवल यॉर्कर गेंद फेंकने की ओर देख रहा था। यह इसलिए ताकि गेंद मिस होने पर बाउंड्री न जाये। मैं ये बात अच्छी तरह जानता था कि आखिरी ओवर में यदि मैंने एक या दो बाउंड्री दे दी, तो हम पर दबाव आ जाएगा। इसलिए मैं योजना के अनुसार ही गेंदबाजी कर रहा था। भुवनेश्वर हालांकि इस सत्र में अधिक सफल नहीं रहे और विकेट के लिए जूझते रहे हैं।

अपने पुराने दिनों को याद कर डर जाते हैं मोईन

मुंबई । चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की ओर से खेल रहे इंग्लैंड के ऑलराउंडर मोईन अली ने अपने पुराने दिनों को याद करते हुए कहा कि उन्हें यहां तक पहुंचने के लिए कठिन संघर्ष करना पड़ा है। साथ ही कहा कि पुराने दिनों को याद कर वह सिहर जाते हैं। मोईन ने कहा कि खेल के प्रति जुनून के कारण ही वह यहां तक पहुंचे हैं जबकि एक समय ऐसा भी था जब उनके परिवार के पास खाने के लिए भी कुछ नहीं था। तब कई दिन ऐसे भी होते थे जब उनके परिवार के पास एक पाउंड भी नहीं होता था। इस कारण उन्हें कई बार सैंडविच या ककड़ी पर जीवित रहने के लिए मजबूर होना पड़ा था। इस ऑलराउंडर ने कहा कि मेरे पिता खेल के लिए प्रति बहुत जुनूनी थे। मैं आठ साल का था जब मैंने पार्क में अपने भाइयों के साथ खेलना शुरू किया, और मुझे लगा कि वे भी बेहतर हो रहे हैं। इसलिए जब मैं 19 साल का था, तब मैंने एक ट्रायल लिया और यह पहली बार था जब मैंने कभी किसी के साथ खेला। मोइन ने कहा, यह शुरुआत थी और मैं जल्द ही कम उम्र में काउंटी क्रिकेट खेल रहा था, अच्छा कर रहा था और खेल से प्यार कर रहा था। यह फुटबॉल, क्रिकेट, फुटबॉल, क्रिकेट था। क्रिकेट मेरे पिताजी का जुनून था और हम बस आगे बढ़ते गए। मोइन ने कहा कि उनके पिता को एक मनोरोग नर्स के रूप में उनके काम और बच्चों को काउंटी खेलों के लिए ले जाने के लिए भी संघर्ष करना पड़ता था। उन्होंने कहा कि वह कभी-कभी वह पेट्रोल और कभी-कभी भोजन का खर्च तक नहीं उठा पाते थे।

विश्वकप : भारतीय कंपाउंड पुरुष तीरंदाजी टीम फाइनल में पहुंची

ग्वांग्जू .

महिला टीम को सेमीफाइनल में हार के कारण कांस्य मिला

भारत की कंपाउंड पुरुष तीरंदाजी टीम यहां विश्व कप फाइनल में पहुंच गयी है। भारतीय तीरंदाजी टीम ने अच्छा शानदार प्रदर्शन करते हुए क्वार्टर फाइनल में जहां विश्व की नंबर एक टीम अमेरिका को हराया। वहीं सेमीफाइनल में दक्षिण कोरिया को पराजित किया। भारत के अभिषेक वर्मा, अमन सैनी और रजत चौहान ने अमेरिका को क्वार्टर फाइनल में 234-238 से पराजित किया। इसके बाद दक्षिण कोरिया को शूटऑफ में 233 -233 (29 -26) से हराकर फाइनल में जगह बनायी। यहां अब उनका मुकाबला स्वर्ण पदक के लिए फ्रांस से होगा। वहीं भारतीय महिला कंपाउंड टीम को सेमीफाइनल में दक्षिण कोरिया के हाथों हार के कारण कांस्य पदक ही मिल पाया। भारत की अवनीत कौर, मुस्कान किरार और प्रिया गुर्जर की महिला कंपाउंड टीम को सेमीफाइनल में दक्षिण कोरिया के हाथों दो अंक से हार का सामना करना पड़ा पर उसने तुर्की को 232 -231 से पराजित कर कांस्य पदक हासिल किया। पुरुष कंपाउंड टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए क्वार्टर फाइनल जीता. दो अंक से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए उन्होंने सेमीफाइनल में कोरिया के किम जोंगहो, चोइ योंगही और यांग जाएवोन की टीम को हराया।

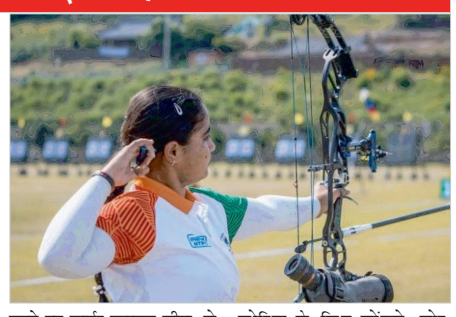

मेदवेदेव जिनेवा ओपन में हारे

जिनेवा ।

रुस के टेनिस स्टार दानिल मेदवेदेव जिनेवा ओपन टेनिस में हार के साथ ही बाहर हो गये हैं। सर्जरी के कारण छह महीने बाद टेनिस कोर्ट में वापसी करने वाले मेदवेदेव को दूसरे दौर में फ्रांस के रिचर्ड गास्केत ने 6-2, 7-6 से हराया। वहीं इस मैच के विजेता गास्केत का मुकाबला अब क्वार्टर फाइनल में पोलैंड के कामिल माशजाक से होगा। कामिल ने इससे पहले क्वालीफायर मार्को सेशिनातो को 6-2, 6-3 से हराया था।

उमरान ने बनाया रिकार्ड

मुम्बई । सनराइजर्स हैदराबाद के युवा तेज गेंदबाज उमरान मलिक ने मुम्बई इंडियंस के खिलाफ मैच में तीन विकेट लेने के साथ ही एक अहम रिकार्ड अपने नाम किया है। इसी के साथ ही उमरान आईपीएल सत्र में सबसे कम उम्र में 20 या उससे ज्यादा विकेट लेने वाले चौथे गेंदबाज बन गये हैं। इसके साथ ही उमरान आईपीएल के इस सत्र में 20 या इससे अधिक विकेट लेने के मामले में पंजाब किंग्स के तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा के बाद दूसरे तेज गेंदबाज हैं। रबाडा ने 13 मैचों में 22 विकेट लिए हैं। उमरान ने 22 साल 176 दिन की उम्र में आईपीएल के एक सत्र में 20 विकेट का आंकड़ा हासिल किया जबकि बुमराह ने साल 2017 में 23 साल और 165 दिन की उम्र में यह रिकार्ड बनाया था। इस सूची में तीसरे नंबर पर पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज आरपी सिंह हैं। आरपी ने आईपीएल के साल 2009 सत्र में 23 साल 166 दिन की उम्र में यह उपलब्धि दर्ज की थी जबकि पूर्व स्पिनर प्रज्ञान ओझा ने साल 2010 में 23 साल 225 दिन की उम्र में आईपीएल के एक सीजन में 20 या इससे अधिक लिए थे। इस मैच में उमरान ने अपनी गेंदबाजी से मुम्बई के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का भी एक रिकॉर्ड तोड़ दिया। वह अब किसी एक सत्र में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले सबसे युवा भारतीय गेंदबाज बन गये हैं। उमरान के विकेटों की संख्या 20 से ऊपर पहुंच गयी है। उन्होंने हैदराबाद के खिलाफ करो या मरो मैच में अपने 3 ओवर में 23 रन देकर 3 विकेट लिए थे। इससे पहले बुमराह ने साल 2017 में सबसे कम उम्र में सबसे ज्यादा विकेट का रिकॉर्ड बनाया था।

ऑस्ट्रेलिया महिला टीम की अंतरिम मुख्य कोच बनाई गईं शेली निट्स्के

मेलबर्न।

ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम के कोच मैथ्यू मॉट को इंग्लैंड टीम के सफेद गेंद के मुख्य कोच बनाए जाने के बाद बुधवार को क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने कहा कि ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम के सहायक कोच के रूप में कार्य कर रहीं शेली निट्स्के को अंतरिम मुख्य कोच नियुक्त किया है। 2018 में मॉट के सहायक के रूप में नियुक्त निट्स्के आयरलैंड में आगामी ट्राई-सीरीज और बर्मिंघम में राष्ट्रमंडल गेम्स के लिए ऑस्ट्रेलिया टीम की कमान संभालेंगी। ऑस्ट्रेलिया के लिए एक प्रमुख ऑलराउंडर के रूप में संन्यास लेने के बाद निट्स्के ने कोचिंग में कदम रखा और दक्षिण ऑस्ट्रेलियाई स्कॉर्पियन्स और एडिलेड स्ट्राइकर्स के लिए कोचिंग की। 2019 में उन्होंने पर्थ स्कॉर्चर्स डब्ल्यूबीबीएल की बागडोर संभाली, जिससे टीम पिछली गर्मियों में अपने पहले डब्ल्यूबीबीएल खिताब तक पहुंच सकी। अंतरिम मुख्य कोच की भूमिका के लिए निट्स्के की नियुक्ति तब हुई जब मॉट को चार साल के अनुबंध पर इयोन मोर्गन के नेतृत्व में इंग्लैंड टीम के नए टी20 और वनडे कोच के रूप में घोषित किया गया। 2015 में ऑस्ट्रेलिया महिला टीम के मुख्य कोच बनने के बाद से मॉट महिला क्रिकेट में एक अजेय ताकत बनकर टीम को नई ऊंचाइयों पर ले गए थे। मॉट ने एक बयान में कहा, मैं ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट में शामिल सभी लोगों को धन्यवाद देना चाहता हूं। पिछले सात वर्षों में लोगों के इस तरह के एक अद्भुत समूह का हिस्सा बनकर मैं सम्मानित महसूस कर रहा हूं। मैं बहुत सारी अद्भुत यादों के साथ इस पद को छोड़ रहा हूं। मॉट ने इस साल मार्च में आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप दिलाने से पहले ऑस्ट्रेलिया को 2018 और 2020 में आईसीसी महिला टी20 विश्व कप जीतने में मदद की। मॉट ने ऑस्ट्रेलिया को 2018 से 2021 तक वनडे मैचों में लगातार 26 मैचों में जीत के अलावा चार महिला एशेज श्रृंखला में अपराजित होने में मदद की है।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के सीईओ निक हॉकले ने ऑस्ट्रेलिया की महिला मुख्य कोच के रूप में अपने काम और अपने पीछे छोड़ी गई विरासत के लिए मॉट को धन्यवाद दिया।

इटली में जुआन पैड्रो लोपेज जीत के बाद पोडियम में उत्साहित नजर आये।

मुख्यमंत्री ने महात्मा मंदिर में आयोजित 'वडनगर इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस' का किया उद्घाटन

गांधीनगर । मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने गुजरात के प्राचीन नगर वडनगर के भव्य इतिहास और सांस्कृतिक धरोहर को ऐतिहासिक विरासत पर्यटन स्थल के रूप में दुनिया के समक्ष प्रस्तुत करने का राज्य सरकार का संकल्प व्यक्त किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा और मार्गदर्शन से देश में मनाए जा रहे 'आजादी का अमृत महोत्सव' के एक हिस्से के रूप में केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय, राज्य सरकार के खेल, युवा और सांस्कृतिक गतिविधि विभाग और संग्रहालय निदेशक के सहयोग से आयोजित 'वडनगर इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस' का बुधवार को गांधीनगर स्थित महात्मा मंदिर में उद्घाटन करते हुए उन्होंने यह बात कही। 18 मई, विश्व संग्रहालय दिवस से 20 मई तक आयोजित होने वाली इस तीन दिवसीय कॉन्फ्रेंस के शुभारंभ अवसर पर केंद्रीय संस्कृति राज्य मंत्री श्रीमती मीनाक्षी लेखी, राज्य सरकार के युवक सेवा व सांस्कृतिक गतिविधि विभाग के मंत्री हर्ष संघवी, भूटान, भारत, मालदीव और श्रीलंका के निदेशक एवं संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) के प्रतिनिधि एरिक फाल्ट तथा दुनिया के 6 देशों एवं देश के विभिन्न राज्यो के पुरातत्वविद, इतिहासविद, विभिन्न विश्वविद्यालयों के छात्र तथा इतिहास एवं पुरातत्व रसिक भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने इस अवसर पर यूनेस्को और भारतीय पुरातत्व विभाग (एएसआई) की सहभागिता तथा भारत सरकार एवं देश के विख्यात विश्वविद्यालयों के सहयोग से राज्य की भव्य पुरातात्विक धरोहरों और संस्कृति को विश्व फलक पर प्रोत्साहन देने की राज्य सरकार की तत्परता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि वडनगर प्रचीनतम एवं अविनाशी तथा दिव्य-भव्य नगर है। काल के अनेक थपेड़े खाने के बावजूद अविचल रहा वडनगर आर्य सभ्यता के ध्रुव तारे जैसा नगर है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बौद्ध विहारों, कीर्ति तोरण, शर्मिष्ठा झील, ताना-रीरी की समाधि जैसी भव्य विरासतों के वाहक नगर के तौर पर वडनगर की अनोखी पहचान स्थापित हुई है। पटेल ने स्पष्ट रूप से कहा कि अपने देश की धरोहरों और प्राचीन विरासतों के

साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लगाव से प्रेरणा लेकर गुजरात में प्राचीन विरासतों के संरक्षण और संवर्धन की अनूठी राह अपनाई है। उन्होंने विश्वास जताया कि वडनगर में आकार ले रहा 'आर्कियोलॉजिकल एक्सपेरिमेंटल म्यूजियम' इस संदर्भ में विशेष साबित होगा।

केंद्रीय संस्कृति राज्य मंत्री श्रीमती मीनाक्षी लेखी ने गुजरात में हो रही 'वडनगर इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस' का स्वागत करते हुए कहा कि वडनगर सदियों से नकारात्मक और बुरे कारकों के खिलाफ आशा और सकारात्मकता के साथ मुकाबला कर टिके रहने की प्रेरणा दे रहा है। उन्होंने आगे कहा कि वडनगर एक पवित्र धाम है। वडनगर का इतिहास वाराणसी जितना ही भव्य है। ऐतिहासिक स्मारकों पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव के संबंध में बात करते हुए उन्होंने कहा कि द्वारका जैसा भव्य नगर और संस्कृति डूब गई, यह इतिहास हमारे लिए सबक बनना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने मोरबी जिले में हळवद स्थित जीआईडीसी में दुर्घटना स्थल का दौरा किया

अहमदाबाद । मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने बुधवार को मोरबी जिले में हळवद स्थित जीआईडीसी में हुई दुर्घटना के स्थल का प्रत्यक्ष दौरा कर जानकारी प्राप्त की। पटेल ने दीवार गिर जाने के कारण हुई इस दुर्घटना में मारे गए श्रमिकों के परिजनों से मिल कर उन्हें सांत्वना दी।

उन्होंने परिजनों से संवेदना के साथ बातचीत करते हुए बताया कि राज्य सरकार तथा केन्द्र सरकार ने मृतकों के परिजनों को सहायता देने की घोषणा की है। उन्होंने जिला कलेक्टर एवं जिला प्रशासन के अधिकारियों से इस दुर्घटना के विषय में प्राथमिक जानकारी प्राप्त की।

उन्होंने सिविल अस्पताल जाकर इस दुर्घटना में घायल हुए श्रमिकों को दिए जा रहे उपचार के विषय में भी जानकारी प्राप्त की। मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन को निर्देश दिया कि आवश्यक लगे, तो घायलों को अन्य अस्पताल में भर्ती कराने की आवश्यक व्यवस्था की जाए। मुख्यमंत्री के साथ श्रम एवं रोजगार राज्य मंत्री ब्रिजेश मेरजा, पूर्व मंत्री जयंती कवाडिया, मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव के. कैलाशनाथन भी मौजूद रहे।

हलवद जीआईडीसी की नमक फैक्ट्री की दीवार ढहने से 12 श्रमिकों की मौत

मोरबी। मोरबी के हलवद जीआईडीसी स्थित एक नमक फैक्ट्री की दीवार ढहने से 12 मजदूरों की मौत हो गई। फिलहाल प्रशासन दीवार के नीचे दबे लोगों को बाहर निकालने का प्रयास कर रहा है। आशंका है कि मौतों का आंकड़ा बढ़ सकता है। घटना के बाद मृतकों के परिवारों में शोक के साथ आक्रोश व्याप्त है। जानकारी के मुताबिक मोरबी जिले के हलवद जीआईडीसी स्थित सागर सोल्ट नामक फैक्ट्री में अचानक दीवार ढहने से 30 जितने लोग मलबे में दब गए थे। दीवार ढहने के बाद स्थानीय लोगों ने बचाव कार्य शुरू कर दिया। खबर मिलते ही स्थानीय प्रशासन भी जेसीबी के साथ मौके पर पहुंच गया। दीवार ढहने की इस घटना में अब तक 12 लोगों की मौत हो चुकी है। मलबे में दबे लोगों को बाहर निकालने का काम जारी है। आशंका जताई है कि मौतों का आंकड़ा बढ़ सकता है। फिलहाल दीवार ढहने की वजह सामने नहीं आई है। बताया जा रहा है कि दीवार से सटकर नमक भरी बोरियां लगाई थीं और उसी वजह से दीवार भरभराकर ढह गई।

घटना के वक्त दीवार के बगल में कई श्रमिक पैकिंग का काम कर रहे थे। दोपहर का समय होने की वजह से कई मजदूर भोजन करने गए थे। अब तक इस घटना में 45 वर्षीय रमेश नरशीभाई खीरण, 2। वर्षीय काजल जेठाभाई गणेशिया, 18 वर्षीय दक्षा रमेशभाई कोली, 13 वर्षीय श्याम रमेशभाई कोली, 42 वर्षीय रमेश मेघाभाई कोली, 26 वर्षीय दिला रमेशभाई कोली, 54 वर्षीय दीपक दिलीपभाई कोली, 30 वर्षीय महेन्द्र, 25 वर्षीय दिलीपभाई रमेशभाई, 32 वर्षीय शीतल दिलीपभाई, 30 वर्षीय राजी डाह्याभाई भरवाड और 16 वर्षीय देवी डाह्याभाई भरवाड शामिल है। घटनास्थल पर बचाव कार्य जारी है और आशंका जताई जा रही है कि मौत का आंकड़ा बढ़ सकता है।

भाजपा सरकार की भ्रष्ट नीतियों के कारण श्रमिक खतरे के बीच काम करने को मजबूर : कांग्रेस

अहमदाबाद । गुजरात प्रदेश कांग्रेस के प्रमुख जगदीश ठाकोर ने मोरबी के हलवद जीआईडीसी की नमक फैक्ट्री की दुर्घटना को लेकर राज्य की भाजपा सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। जगदीश ठाकोर ने कहा कि भाजपा सरकार की अक्षम और भ्रष्ट नीतियों के कारण हजारों श्रमिक खतरे के बीच काम करने को मजबूर हैं और ऐसे में कई बार अपनी जान गंवा देते हैं। उन्होंने सवाल किया कि आखिर श्रमिकों की मौत के लिए कौन जिम्मेदार है? यूनिट मालिक और जीआईडीसी प्रबंधन के बीच सांठगांठ के कारण प्रशासन जान बूझकर अंजान बन रहा है। गुजरात के उद्योग अर्थव्यवस्था की रीढ के समान हैं, परंतु औद्योगिक सुरक्षा के नीति-नियमों का उल्लंघन करने के कारण लाखों गुजरातियों का जीवन संकट में है। मोरबी के हलवद जीआईडीसी की नमक फैक्ट्री में दीवार ढहने से 12 श्रमिकों की मौत हृदयविदारक घटना है। बार बार औद्योगिक इकाइयों में श्रमिकों की मौत होती है और सरकार केवल दो शब्द बोलकर घडियाली आंसू बहाती है। अहमदाबाद, सूरत वडोदरा में श्रमिकों की दर्दनाक मौत के बाद भी सरकार की आंखें नहीं खुली। क्या श्रमिकों की सुरक्षा करना सरकार कर्त्तव्य नहीं है? ऐसी घटनाओं पर श्रम एवं रोजगार विभाग मौन क्यों है? क्या सरकार की संवेदनशीलता केवल घोषणा करने तक ही सीमित है? कांग्रेस की मांग है कि जिम्मेदार लोगों के खिलाफ तत्काल कार्यवाही की जाए। हलवद की घटना के बाद मोरबी जिला कांग्रेस समिति के प्रमुख जयंति पटेल, तहसील प्रमुख डॉ. केएम राणा समेत नेताओं ने घटनास्थल का दौरा किया और मृतकों के

परिजनों से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी। साथ ही दुर्घटना के घायलों को शीघ्र स्वस्थ होने की शुभकामना दी। इस घटना को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी दुःख व्यक्त करते हुए मृतकों के परिजनों को सांत्वना दी है और दर्दनाक हादसे में घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है।

पिज़्ज़ा हट अब भारत में लाइट, क्रिस्पी सैन फ्रांसिस्को स्टाइल पिज़्ज़ा परोसता है

भारत के सबसे लोकप्रिय और विश्वसनीय पिज्जा ब्रांड पिज्जा हट ने भारत में लाइट, क्रिस्पी और स्वादिष्ट फ्रांसिस्को स्टाइल पिज्जा का नया स्वाद लॉन्च किया और मांसाहारी पिज्जा हट मेनू को शेफ की विशेष सॉस और अतिरिक्त कुंवारी जैतून के तेल के साथ भी परोसा जा सकता है। सैन फ्रांसिस्कोरल पिज़्ज़ा मात्र रु. 129 की पेशकश की है। और पिज़्ज़ा हट के नए 1 प्लस 1 ऑफ़र के साथ, हमारे ग्राहक केवल 249 रुपये में 2 अलग-अलग पिज़्ज़ा फ्लेवर का आनंद ले सकते हैं। सैन फ्रांसिस्को स्टाइल पिज्जा अभियान के हिस्से के रूप में, पिज्जा हट ने ब्रांड की चुंबकीय राजदूत अनुराधा मेनन की विशेषता वाली दो नई मजेदार डिजिटल फिल्मों का अनावरण किया है, और अपने आधुनिक दर्शकों के लिए, ये फिल्में जीवनशैली, भोजन और मनोरंजन के साथ शैली को जोड़ती हैं।

इस नए लॉन्च पर नेहा, चीफ मार्केटिंग ऑफिसर, पिज़्ज़ा हट इंडिया ने कहा, "पिज़्ज़ा हट में, हम हमेशा अपने ग्राहकों को उनकी पसंद के अनुसार कुछ नया देते हैं। इसलिए, जबकि हम अपने सिग्नेचर पैन पिज़्ज़ा के लिए प्रसिद्ध हैं, फील द थ्रिल ग्राहकों के लिए स्ट्रील पिज्जा पेश करने की। यह पिज्जा हल्के क्रिस्पी क्रम्ब्स और शेफ की स्पेशल सॉस के साथ आपके स्वाद को बढ़ा देता है। हमें यकीन है कि जो ग्राहक हमारे नए व्यंजनों के शौकीन हैं, वे इस नए स्वादिष्ट वैश्विक पिज्जा अनुभव का आनंद लेंगे।

हार्दिक पटेल ने कांग्रेस से दिया इस्तीफा, कहा- कांग्रेस को गुजरातियों से नफरत

अहमदाबाद। पिछले काफी समय से कांग्रेस से नाराज चल रहे हार्दिक पटेल ने आखिरकार पार्टी से इस्तीफा दे दिया। हार्दिक पटेल ने सोशल मीडिया पर एक पत्र लिखकर कांग्रेस नेतृत्व पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं। हार्दिक पटेल ने कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व पर गुजरात और गुजरातियों से नफरत का आरोप लगाते हुए प्रदेश कांग्रेस नेताओं पर कड़े प्रहार किए हैं। उन्होंने कहा कि गुजरात प्रदेश कांग्रेस के नेता अपने स्वार्थ के लिए बिक गए हैं। प्रदेश नेताओं को गुजरात की जनता की समस्या की कोई चिंता नहीं है। उन्हें केवल दिल्ली से आनेवाले पार्टी नेताओं को समय पर चिकन सेन्डविच मिली है या नहीं इसकी चिंता ज्यादा है। पिछले तीन साल में पता चला कि कांग्रेस केवल और केवल विरोध की राजनीति करने तक सिमट कर रह गई है। जबकि देश के लोगों को एक ऐसे विकल्प की जरूरत है जो भविष्य पर विचार करे और उसे आगे ले जाने का प्रयास करे। हार्दिक पटेल ने कहा कि अयोध्या में भगवान श्रीराम का मंदिर हो, सीएए-एनआरसी हो, जम्मू-कश्मीर से धारा 370 हटाना हो या फिर जीएसटी लागू करना हो, देश लंबे समय से इन मुद्दों का समाधान चाहता था। कांग्रेस केवल इन मुद्दों के समाधान में व्यवधान करने काम करती रही है। देश हो गुजरात प्रदेश हो या फिर मेरा पटेल समाज हो इन मुद्दों पर कांग्रेस का रुख केवल केन्द्र सरकार विरोध करना ही रहा है। देश के ज्यादातर से कांग्रेस के आउट होने का यही मुख्य कारण है। कांग्रेस पार्टी और उसका नेतृत्व लोगों के समक्ष कभी अपना प्राथमिक रोडमेप पेश नहीं कर पाई। सबसे बड़ी बात यह है कि कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व किसी मुद्दों को लेकर कभी गंभीर नहीं रहा। मैं जब कांग्रेस से मिला तो ऐसा लगा कि नेतृत्व का ध्यान गुजरात के लोगों और पार्टी की समस्याएं सुनने के बजाए मोबाइल और अन्य वस्तुओं पर अधिक था। जब देश में संकट में या कांग्रेस नेतृत्व की जरूरत थी, तब पार्टी के नेता विदेश में थे। कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व का गुजरात प्रति रुख ऐसा रहा है जैसे उन्हें गुजरात और गुजरातियों से नफरत है। ऐसी स्थिति में गुजरात के लोग कांग्रेस को कैसे एक विकल्प के रूप देखेंगे? हार्दिक पटेल ने अपने इस्तीफे में लिखा कि तब दुख होता है जब मेरे जैसे नेता अपने खर्चे पर गाडी में 500 से 600 किलोमीटर की यात्रा कर लोगों के बीच जाते हैं और गुजरातके बड़े नेता जनता के मुद्दों को नजरअंदाज कर दिल्ली से आए नेताओं को समय पर चिकन या सेंडविच मिला है या नहीं इस पर ध्यान देते हैं। उन्होंने कहा कि जब भी मैं युवाओं से मिला हूं तो वह मेरे कांग्रेस में होने पर सवाल उठाते हैं और कहते हैं कांग्रेस गुजरातियों का अपमान करती है। हार्दिक पटेल ने बड़े दुख के साथ कहा कि कांग्रेस के नेताओं ने गुजरात की जनता के मुद्दों को कमजोर कर आर्थिक लाभ उठाए हैं। राजनीतिक विचारधारा अलग हो सकती है लेकिन कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं का इस प्रकार बिक जाना राज्य की जनता के

साथ बहुत बड़ा विश्वासघात है। राजनीति में सक्रिय लोगों का धर्म होता है परंतु यह दुर्भाग्य है कि कांग्रेस ने गुजरात के लोगों के लिए कुछ अच्छा नहीं किया। मैं जब गुजरात में कुछ करना चाहता था तब पार्टी ने मेरा तिरस्कार किया। मैं कभी सोचा ना था कि कांग्रेस नेतृत्व गुजरात, हमारे समाज और खासकर युवाओं के प्रति इस प्रकार नफरत रखती है। इसलिए आज मैं कांग्रेस पार्टी के सभी पदों और प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे रहा हूं।

ज्ञानवापी में मिले शिवलिंग को लेकर अश्लील टिप्पणी करने पर एआईएमआईएम नेता गिरफ्तार

अहमदाबाद। वाराणसी के ज्ञानवापी परिसर में मिले शिवलिंग को लेकर देशभर में राजनीति गरमाई है। हिन्दू पक्ष इसे शिवलिंग बता रहा है तो मुस्लिम पक्ष फव्वारा होने का दावा कर रहा है। सबके अपने अपने तर्क हैं। कई लोग धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचे ऐसी बयानबाजी भी कर रहे हैं। असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम की गुजरात इकाई के नेता दानिश कुरैशी ने ज्ञानवापी परिसर में मिले शिवलिंग को लेकर अश्लील टिप्पणी की है। सोशल मीडिया पर दानिश कुरैशी द्वारा अश्लील टिप्पणी किए जाने के बाद हिन्दू धर्म के लोगों ने कड़ा विरोध किया। आखिरकार साइबर क्राइम ब्रांच की टीम ने दानिश कुरैशी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया और उसे गिरफ्तार कर लिया। सोशल मीडिया पर विवादित टिप्पणी करने पर एक और व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। गौरतलब है कि ज्ञानवापी परिसर का मामला न्यायालय में विचाराधीन है और इन सबके बीच सोशल मीडिया पर विवादित टिप्पणी की जा रही है। हिन्दू देवी-देवताओं के बारे में हिन्दुओं की भावनाओं को आहत करने वाली टिप्पणी दानिश कुरैशी ने की थी। जिसे लेकर अहमदाबाद साइबर क्राइम ने दानिश कुरैशी के खिलाफ मामला दर्ज किया और उसे गिरफ्तार कर लिया। हांलाकि दानिश कुरैशी का कहना है कि उसने किसी भी धर्म की भावनाओं को आहत पहुंचे ऐसी टिप्पणी नहीं की। गौरतलब है कि कुछ समय पहले धंधुका में किशन भरवाड नामक युवक की हत्या कर दी गई थी। किशन भरवाड ने अन्य धर्म

की भावनाओं को आहत करने वाली टिप्पणी की थी। हांलाकि बाद में उसने माफी भी मांग ली थी। इसके बावजूद किशन भरवाड की गोली मारकर हत्या कर दी गई। ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए पुलिस लगातार लोगों से किसी की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचे ऐसी पोस्ट सोशल मीडिया पर न करने की अपील कर रही है। फिलहाल अहमदाबाद साइबर क्राइम दानिश कुरैशी को गिरफ्तार कर पूछताछ कर रही है।

हायर इंडिया ने नई 'मेड इन इंडिया, मेड फॉर इंडिया' नेक्स्ट-जेन फ्रंट एवं टॉप लोड संपूर्ण ऑटोमैटिक आईओटी-एनेबल्ड वाशिंग मशीन सीरीज लॉन्च की

दुनिया में होम अप्लायंसेज एवं कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स की प्रमुख कंपनी और लगातार 13 वर्षों से प्रमुख अप्लायंसेज बनाने वाले विश्व के नंबर 1 ब्रांड, हायर ने आज दो नई एआई-एनेबल्डविशेष वाशिंग मशीन सीरीजकरने की घोषणा की - एडवान्स्ड सुपर साइलेंट डायरेक्ट मोशन मोटर एवं 525 मिमी सुपर ड्रम वाली हायर 959 फ्रंट लोड वाशिंग मशीन, और इन-बिल्ट हीटर तकनीक के साथ नई टॉप लोड वाशिंग मशीन जो लगभग 99.9त्न कीटाणुओं को समाप्त करते हुए 106 प्रकार के सबसे कठिन दागों को हटाती है, और वर्तमान समय में स्वच्छता संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करती है। हायर के 'मेड इन इंडिया, मेड फॉर इंडिया' मिशन को आगे बढ़ाते हुए, कंपनी ने भविष्य के लिए तैयार स्मार्ट होम, एआई और आईओटी-एनेबल्ड लॉन्ड्री सॉल्यूशंस प्रदर्शित किए जो नए दौर की तकनीकों के साथ प्रीमियम वॉश और फैब्रिक केयर प्रदान करते हैं।

वाशिंग मशीन की नई रेंज के लॉन्च के अवसर पर, श्री सतीश एनएस, प्रेसिडेंट, हायर अप्लायंसेज इंडिया ने कहा कि "हायर में, हम अपने ग्राहकों की बढ़ती जरूरतों और उभरती प्राथमिकताओं को पूरा करने के लिए समर्पित हैं। आज की भागदौड़ वाली जीवन शैली में, उपभोक्ता ऐसे इनोवेटिव सॉल्यूशन चाहते हैं जो सेहत एवं स्वच्छता सुनिश्चित करते हुए उनकी जिन्दगी को आसान और सुविधाजनक बनाएं। हमारी नई 'मेड इन इंडिया, मेड फॉर इंडिया' वाशिंग मशीन सीरीज के लॉन्च के साथ, हम उपभोक्ताओं को इंडस्ट्री-फर्स्ट टेक्नोलॉजी और समग्र वाशिंग एक्सपीरियंस प्रदान करने के लिए सबसे खास आधुनिक फीचर्स पेश कर रहे हैं। नए दौर की तकनीकों से संचालित, वाशिंग मशीन न केवल उपभोक्ताओं को एक नया स्टाइल देती हैं, बल्कि इनमें काफी सारे स्मार्ट फीचर्स भीहैं। हमारा निरंतर प्रयास भारतीय घरों को प्राथमिकता देना है, और हम हरेक भारतीय के लॉन्ड्री एक्सपीरियंस को बढ़ावा देने के लिए कस्टमर-इंस्पायर्ड ऑफरिंग्स देना जारी रखेंगे।"

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)